जय जय महाश्रमण

नारीलोक

अध्यक्षीय कार्यालय :
श्रीमती कुमुद कच्छारा
अम्हेर ज्वेलरी, ऑफिस नं. 6
लक्ष्मी भुवन, आनन्दजी लेन
रसिकलाल ज्वेलर्स के सामने
एम.जी. रोड़, घाटकोपर (ई)
मुम्बई – 77
मो. : 9833237907
e-mail : kumud.abtmm@gmail.com

अंक 239 | पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) | मई 2018

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

अवकाश के प्रमुदित पल, आओ लिखें स्वर्णिम कल।

प्रिय बहनों,

सादर जय जिनेन्द्र !

मई माह में संभवतः कोई पूर्व निर्धारित विशेष पर्व, त्यौंहार या उत्सव नहीं आता है। सिर्फ दो दिवस का विशेष उल्लेख किया जाता है। एक **Labour Day** और दूसरा **Mother's Day**। श्रमिकों के लिए प्रायः सप्ताह, पंद्रह दिन या महिने में एक अथवा किसी विशेष दिन का या फिर वर्ष में कुछ दिन का अवकाश निर्धारित होता है। किन्तु **Mother** अर्थात् माँ परिवार रूपी कंपनी की एक ऐसी मजदूर है जिसके जीवन में कभी कोई अवकाश नहीं आता। और तो और जब परिवार के सदस्यों का अवकाश होता है उस दिन तो उसका श्रम अतिरिक्त हो जाता है। बहनों श्रमिक दिवस के अवसर पर आप सभी के श्रम को भी नमन करती हूँ। क्योंकि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल रूपी इण्डस्ट्री में अध्यक्ष रूपी डायरेक्टर के एक निर्देश पर आप प्रतिमाह जो श्रम करती हैं वो प्रणम्य है। इसी की फलश्रुति है कि **अभातेममं ने 48 दिन में दो-दो विश्व कीर्तिमान स्थापित कर दिये**। बहनों, इस उपलब्धि के उपलक्ष में बोनस स्वरूप आपको भी एक माह का संस्थागत अवकाश दिया जाता है जिसमें आपको पारिवारिक सदस्यों के साथ सकारात्मक सोच रखते हुए स्वयं को **Relax** महसूस करना है। अर्थात् इस माह की कार्यशाला का आयोजन भवन आदि में नहीं करें। परिवार रूपी प्रयोगशाला में विभिन्न प्रयोंगो के माध्यम से आने वाले सुनहरे कल की रूपरेखा तैयार करें।

हम सभी जानते हैं कि बच्चे हमारा आने वाला स्वर्णिम कल है, युवा पीढ़ी हमारा उज्जवल भविष्य है लेकिन उचित दिशा–निर्देशों के अभाव में इस भविष्य पर खतरे के बादल मंडराते हुए नजर आ रहे हैं। एक ओर आर्थिक संपन्नता अभिशाप बनकर पारस्परिक जीवन में तनावों का पर्याय बनती जा रही है तो दूसरी ओर पाश्चात्य संस्कृति के अंधानुकरण से परिवारों में परस्पर स्नेह व सरलता के स्त्रोत सूखने लगे हैं। आज हम शिक्षा के नाम पर बच्चों को महंगे स्कूल तो दे रहे हैं, अंग्रेजी का भरपूर ज्ञान भी दे रहे हैं परंतु केवल इस बौद्धिक विकास से वो संतुलित जीवन नहीं जी पा रहे हैं। संतुलित जीवन जीने के लिए अपेक्षित है बौद्धिक विकास के साथ–साथ आध्यात्मिक एवं भावनात्मक विकास। अमेरिका के प्रसिद्ध लेखक डयूक ऑफ वेलिंग्टन के शब्दों में हम अपने बच्चों को **तीन आर** अवश्य सिखायें **– रिडिंग, राइटिंग** और **रथमेटिक** अर्थात अंकगणित। मगर चौथा **आर - रीलिजियन** को अगर हम छोड़ देंगे तो पांचवा **आर - रेस्कलेजम** यानि गुंडागर्दी हम पर जल्दी ही हावी हो जायेगी। बहनों, यदि हमें वास्तव में हमारे भविष्य को संवारना है तो छुट्टियों के समय का सदुपयोग करना होगा। एक समय था जब बच्चे दादी–नानी की कहानियां सुनते थे, उस पर विश्वास करते थे और उसे जीवन में उतारने का प्रयास भी करते थे पर आजकल जमाना बदल गया है। दादी–नानी के साथ बिताने के लिए समय नहीं है क्योंकि आजकल छुट्टियों में बच्चों को अलग–अलग क्लासेज में भेजने की होड़ सी लगी हुई है और थोड़ा बहुत समय शेष रहता है तो उसमें घूमने जाना भी अनिवार्य सा हो गया है। उसमें भी देश के पर्यटन स्थलों पर जाने की परंपरा तो मानो विलुप्त सी हो गई है। अवकाश का अधिकांश समय विदेश में बीतता है और वहाँ हमारी संस्कृति की सुरक्षा के बजाय वहाँ की संस्कृति में इतने रंग जाते हैं कि कभी–कभी हमारी बहनें

वेशभूषा में अपना विवेक तक खो बैठती है। चूंकि अवकाश का समय एक स्वर्णिम अवसर है –

- बच्चों में तथा युवा पीढ़ी में संस्कारों का निर्माण करने का।
- उनको हमारी संस्कृति, परंपरा एवं रीति–रिवाजों से अवगत कराने का।
- बुजुर्गों के अनुभवों को अर्जित करने का।
- जैन धर्म तथा तेरापंथ के सिद्धांतों की प्रांरभिक जानकारी प्राप्त करने का।

बहनों, छुट्टियों में हम चाहे कहीं भी जाएं पारस्परिक वार्तालाप में इन बिन्दुओं का अवश्य ध्यान रखें। बच्चों को अध्यात्म का ओज दें, शिक्षा का तेज दें, संस्कारों का संपोषण दें, और सकारात्मक सोच का सिंचन दें और सुनहरे कल की स्वच्छ, सुंदर व उजली तस्वीर तैयार करते हुए सार्थक करें अवकाश के प्रमुदित पल, आओ लिखें स्वर्णिम कल।

आपकी अपनी
कुमुद कच्छारा

आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सैंटर के संदर्भ में आवश्यक दिशा निर्देश

बहनों, जैसा कि आप सभी को विदित ही है कि **ABTMM Vision** 2017–19 के अन्तर्गत सामाजिक क्षेत्र में हमारा आगामी लक्ष्य पूरे देशभर में आ. महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेंटर के संचालन का है। अब तक जयपुर शहर, जयपुर सी–स्कीम, दिल्ली एवं सूरत महिला मंडल सेंटर प्रारम्भ कर चुके है। अब जो शाखा मंडल अपने क्षेत्र में सेंटर खोलना चाहते हैं वो कृपया निम्न दिशा–निर्देशों का पालन करें –

1. कम से कम **400 Square** फीट का स्थान आवश्यक है
2. यदि आपके क्षेत्र में सरकारी या प्राइवेट हॉस्पिटल या मानव सेवा संघ जैसी संस्था में निःशुल्क स्थान उपलब्ध होता है तो प्राथमिकता उसे दें और संचालन की जिम्मेदारी स्वयं लें।
3. कम से कम 5 वर्ष तक चलाना अनिवार्य है।
4. सेंटर प्रारंभ करने के लिए आवश्यक मशीनें श्रीमती आरती राकेशजी कठोतिया (लाडनूं–मुंबई) के आर्थिक सौजन्य से अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा उपलब्ध करवाई जायेगी।
5. 1 वर्ष तक मशीन की वॉरंटी रहेगी उसके बाद उसका रिपेयरिंग खर्च स्थानीय संस्था को वहन करना होगा।
6. सेंटर के बोर्ड का मैटर केंद्र द्वारा भेजा जायेगा।
7. एक फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर की व्यवस्था स्थानीय संस्था को करनी होगी तथा सेंटर के रखरखाव संबंधी संपूर्ण दायित्व भी स्थानीय संस्था का रहेगा।
8. डॉक्टर टेबल एवं चेयर तथा पेशेन्ट के लिए व्हील चेयर की व्यवस्था स्थानीय संस्था को करनी होगी।
9. सफेद रंग की बेडशीट्स, 2 पिलो एवं टेबिल की व्यवस्था भी स्थानीय संस्था की रहेगी।
10. प्रतिमाह की रिपोर्ट केन्द्र को भेजनी होगी।

निम्न मशीनें अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा उपलब्ध करवाई जायेंगी

1. Ultrasound 1 Mhz.
2. Tens 4ch.
3. Muscle Stimulator
4. Advance ifct with Tens
5. C.P.M. Machine
6. Traction Machine
7. Traction Bed 3 fold
8. Wax Bath
9. Hydrocollector 4 Pack
10. Ex. Couch
11. Trolley (Wheel Chair)
12. I.R. Lamp Standing
13. X-Ray view Box

ऊर्जावाणी

वर्तमान युग की सबसे बड़ी समस्या है – आकांक्षा और सहिष्णुता। एक ओर इच्छाओं का विस्तार, दूसरी ओर उनकी पूर्ति के साधनों की कमी। आकांक्षा और अभाव के बीच एक संघर्ष छिड़ता है, जो असहिष्णुता को जन्म देता है। उससे तनाव उत्पन्न होता है और मनुष्य अनचाहे ही संत्रास का शिकार हो जाता है। संयम और अनुशासन का विकास इस समस्या के मूल और अग्र दोनों को काटने में सक्षम है।

–आचार्य श्री तुलसी

'शांतिपूर्ण पारिवारिक जीवन का सूत्र है – सहिष्णुता। जितनी विधाएं और कलाएं हैं, उन सबमें अच्छी कला है सहिष्णुता। जो बहुत कुछ पढ़ जाने पर भी इस कला को नहीं पढ़ता, नहीं सीखता, वह शांति के साथ कभी नहीं जी सकता। जिस समाज में सहन करने की शक्ति घट जाती है, वह समाज और परिवार सुखी नहीं रह सकता। सहिष्णुता की शक्ति बहुत बड़ी शक्ति है, प्रगति का सबसे बड़ा हेतु है।

–आचार्य श्री महाप्रज्ञ

आदमी स्वयं शांत कषाय वाला होता है, तो दूसरों की शांति में भी निमित्त बनता है और लोग भी उससे आकृष्ट होते हैं। आक्रोशशील आदमी दूसरों की शांति को और अपनी शान्ति को भंग करने वाला होता है।

जेय बुद्धा अइक्कंता, जेय बुद्धा अणागया
संती तेसिं पइट्ठाणं, भूयाणं जगई जहा।।

जितने अर्हत् अतीतकाल में हो चुके हैं, जितने भविष्य में होंगे और जितने अर्हत् वर्तमान में हैं, उन सबका आधार शांति है।

–आचार्य श्री महाश्रमण

''आकाश की व्यापकता, विचार की गतिशीलता, सलाह देने की सुगमता और आत्म बोध की कठिनता – सहज रूप से समझ में आनेवाली बातें है। सामान्यतया आदमी इसी प्रवाह में बहता है। वह दूसरे लोगों को बहुत अच्छे परामर्श देता है। किन्तु अपने अस्तित्व और दायित्व के बोध से अनजान रहता है। आत्मबोध का प्रसंग आते ही उसका पुरुषार्थ कुंठित हो जाता है। पुरुषार्थहीन व्यक्ति न तो स्वप्नकल्पी मानस को जन्म दे सकता है और न युग की चुनौतियों का मुकाबला ही कर सकता है।''

–साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभा

43 वाँ राष्ट्रीय महिला अधिवेशन 4-6 अक्टूबर 2018 को चेन्नई में

बहनों ! इस वर्ष का राष्ट्रीय महिला अधिवेशन शांतिदूत महातपस्वी परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी के पावन सान्निध्य में दिनांक 4, 5, 6 अक्टूबर 2018 को चेन्नई में आयोज्य है। अधिवेशन की विस्तृत जानकारी नारीलोक के आगामी अंक में प्रकाशित की जायेगी।

जैन स्कोलर योजना की अंतिम कार्यशाला एवं डिग्री समारोह चेन्नई में

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में आगामी 22 सितम्बर 2018 से 4 अक्टूबर 2018 तक जैन स्कोलर योजना की छठी (अंतिम) कार्यशाला का आयोजन शांतिदूत परमपूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में चेन्नई में आयोजित किया जायेगा। जिसमें सभी संभागियों को डिग्री प्रदान की जायेगी। 21 सितम्बर रात्रि तक सभी संभागी चैन्नई पहुँचने का प्रयास करें। 22 सितम्बर को परीक्षा होगी।

करणीय कार्य – मई

RELAX Positively In The New Era

नये युग में करें स्वयं को *Relax*

बहनों ! मई महीने में बच्चों के साथ-साथ आपको भी अवकाश दिया जा रहा है इसलिए इस माह की कार्यशाला का आयोजन आपको भवन आदि स्थानों में नहीं बल्कि अपने-अपने परिवारों में प्रयोगात्मक ढंग से करना है और अपने **Mind** एवं **Body** को **Relax** करते हुए अपने आपको **Refresh** और **Revive** करना है।

RESERVE
YOURSELF FOR FAMILY

आरक्षित करें स्वयं को
परिवार के लिए

रिश्ते हमारी जिंदगी के ऐसे स्तम्भ है जिस पर पूरी जिंदगी की छत टिकी होती है। छुट्टियों में रिश्तों में भरे नए रंग अपनो के संग। एक साथ बैठकर पुरानी एलबम देखें और बचपन में बिताये अनमोल पल बच्चों के साथ शेयर करें और Caring और Sharing के इस प्रयोग में बच्चों को रिश्तों का मोल समझायें

RECONNECT
YOURSELF TO NATURE

प्रकृति से जोड़े
अपने आप को

What'sApp, Face Book, Smartphone आदि सोशल मीडिया की दुनिया से थोड़ा दूर रहकर अपनों के संग किसी प्राकृतिक स्थलों पर जाये और बच्चों को प्रकृति का सौंदर्य और महत्व बताते हुए जीवन को खुशहाल बनाये। कहीं दूर जाना संभव नहीं हो तो अपने आस-पास के पार्क में जाऐं और कुछ Outdoor Games खेलें

RECHARGE
YOURSELF

पुनः ऊर्जावान बनायें
स्वयं को

छुट्टियों के समय में सुबह का कुछ समय आप अपने लिए निकालेंगे तो Meditation (ध्यान) एवं योगा के माध्यम से सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त कर अपने आप को Recharge कर सकेंगे। यह ऊर्जा आपको वर्ष भर के लिए तरोताजा रखेगी और आप Relax महसूस करेंगे।

''युवा पीढ़ी को कैसे जोड़ें अध्यात्म से''

इस विषय पर अपने विचार एक तरफा फुल स्केप पेपर पर लिखकर 31 मई तक निम्न पते पर भेजें –

श्रीमती प्रेमलता सिसोदिया – 401, श्रद्धा अपार्टमेन्ट, बेलग्रामी रोड़, कुर्ला (वेस्ट), मुम्बई – 400070 मो. : 9833154391

विशेष – सर्वश्रेष्ठ विचार केवल एक तरफा फुल स्केल पेपर पर ही लिखकर भेजें उससे अधिक लिखा होने पर उस विचार को मान्य नहीं करते हुए परिणाम से जोड़ा नहीं जायेगा।

इस माह का संकल्प - प्रतिदिन सायंकाल सपरिवार अर्हत् वंदना करें

करणीय कार्य - मई

बेटियों के बढ़ते कदम - फहराएं विकास के परचम

प्यारी बेटियों,

मई का महीना स्कूल, कॉलेज में अवकाश का माह है। परीक्षा होते ही साल भर के श्रम के बाद आप सभी मौज-मस्ती के मूड में आ जाते हैं। मगर याद रहे इस अवकाश के समय में आपको उस व्यक्ति के कार्य में हाथ बंटाना है जिसके जीवन में कभी अवकाश नहीं आता। वह है ''माँ''। मई का महीना **"Mothers Day"** के रूप में भी मनाया जाता है। वैसे तो हर दिन माँ का होता है क्योंकि माँ के बिना हमारा अस्तित्व ही संभव नहीं है। हम इस रिश्ते के कर्जदार है, तो आइये यह माह समर्पित करते हैं ''माँ'' के नाम।

''**यदि माँ न होती**'' विषय पर इस माह भाषण प्रतियोगिता का आयोजन करे। प्रथम तीन विजेताओं को सम्मानित करे।

आपकी
मधु देरासरिया

Mega Awareness Drive

मई-जून 2018 - Mission - पर्यावरण बचाओ

'हरे भरे कल की हो आस, तो करे पर्यावरण शुद्धि का प्रयास'। जून महिने में ''विश्व पर्यावरण दिवस'' आ रहा है। अतः आपको पर्यावरण सुरक्षा हेतु जन-जागरण के कोई भी कार्य करने है जैसे -

- पर्यावरण शुद्धि पर **Slogan, Poster, Essay, Drawing** आदि प्रतियोगिता, **Tree Plantation,** स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कोई भी कार्य अपनी सुविधानुसार करें।
- **Best Out of Waste** प्रतियोगिता का आयोजन करे। श्रेष्ठ तीन को संभवतः चैन्नई अधिवेशन में मंगवाया जायेगा।

विशेष - 26, 27 मई 2018 को राजस्थान स्तरीय आंचलिक कन्या कार्यशाला 'पहचान' का आयोजन उदयपुर में किया जायेगा। राजस्थान की सभी कन्याएं संभागी बने।

15 वाँ वार्षिक कन्या अधिवेशन 17, 18, 19 अगस्त 2018 को चेन्नई में

परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमणजी के सान्निध्य में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में दिनांक 17, 18, 19 अगस्त 2018 को तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में 15 वें राष्ट्रीय कन्या अधिवेशन का आयोजन किया जायेगा।

- बड़े क्षेत्रों से 7 तथा छोटे क्षेत्रों से 4 कन्याएं भाग ले।
- रजिस्ट्रेशन 17 अगस्त को प्रातः 8.00 बजे से प्रारंभ हो जायेगा।
- कन्याओं के साथ एक महिला संरक्षिका (प्रभारी) अवश्य आएं।
- 19 अगस्त दोपहर 2.00 बजे बाद आप प्रस्थान कर सकते हैं।

श्री देवराज मूलचन्द नाहर चेरिटेबल ट्रस्ट, बैंगलोर द्वारा रास्ते की सेवा ''भावना'' के अंतर्गत सुविधाओं से परिपूर्ण बस के अनुदान की घोषणा

तेरापंथ धर्मसंघ के श्रद्धानिष्ठ श्रावक बैंगलोर चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति के अध्यक्ष मूलचन्दजी नाहर एवं सेवाभा श्राविका राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्रीमती शशिकला नाहर ने उदारता का परिचय देते हुए लाडनूं में आ. महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेंटर के उद्घाटन कार्यक्रम में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को ''भावना'' सेवा के लिए सुविधाओं से सुसज्जित बस प्रदान करने की घोषणा की। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल नाहर परिवार के प्रति हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करता है और भविष्य में भी आपका सहयोग यूं ही मिलता रहेगा ऐसी आशा करता है।

तत्त्वज्ञान, तेरापंथ दर्शन परीक्षा परिणाम वर्ष 2017

वर्ष 2017 में तत्त्वज्ञान, तेरापंथ दर्शन परीक्षा के लिए 87 परीक्षा केन्द्रों से कुल 1477 फार्म भरे गये। इनमें से 800 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए। 748 परीक्षार्थियों ने सफलता प्राप्त की। परीक्षा परिणाम 93.5 प्रतिशत रहा। इस वर्ष तत्त्व प्रचेता 66 व तेरापंथ प्रचेता 10 बने। सभी उत्तीर्ण परीक्षार्थियों को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से ढ़ेरों बधाईयां।

इस वर्ष साध्वियों एवं समणीवृंद का भी तत्त्वज्ञान व तेरापंथ दर्शन के प्रति अच्छा रूझान रहा। कुल 62 चारित्रात्माओं ने परीक्षा दी और उनका परिणाम शत्-प्रतिशत रहा। परीक्षा परिणाम अ.भा.ते.म.मं. की वेबसाइट व एप पर भी अपलोड कर दिया गया है।

TOPPERS LIST

Tatwagyan Year I (Batch 2017)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Swathi Barola	7168	2017	Chennai	117	99.5	96.5			196	I
2	Mangla Kundalia	7188	2017	Delhi	191	100	96			196	I
3	Nirmala Chhajer	7494	2017	Jalgaon	1095	99	97			196	I
4	Ranjana Dugar	7381	2017	Aurangabad	714	99	96			195	II
5	Pramila Kothari	7612	2017	Hiriyur	1400	99.5	95.5			195	II
6	Sweta Hirawat	7668	2017	Vijaywada	1461	98.5	96.5			195	II
7	Vasudha Jain	7325	2017	Surat	515	100	94			194	III
8	Mamta Kothari	7359	2017	Chikmaglur	636	100	94			194	III

Tatwagyan Year II (Batch 2017)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Chetna Karnawat	6257	2015	Nathdwara	1254	99	100			199	I
2	Santosh Talesara	7118	2016	Vasai Palghar	1375	99	100			199	I
3	M. Madhubala Bohra	6387	2016	Chennai	128	98.5	98.5			197	II
4	Namrata Parmar (Dr.)	6116	2015	Mumbai Ghat	1192	99	98			197	II
5	Amita S. Nandecha	7070	2016	Vasai Palghar	1353	98.5	98.5			197	II
6	Ranjana M. Talesara	7108	2016	Vasai Palghar	1371	98.5	98.5			197	II
7	Sangeeta Bafna	7116	2016	Vasai Palghar	1374	99.5	96.5			196	III
8	Vijaya Talesara	7126	2016	Vasai Palghar	1378	98.5	97.5			196	III

Tatwagyan Year III (Batch 2017)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Anju Runwal	5619	2014	Hyderabad	653	99	100			199	I
2	Kalpana Anchaliya	6077	2015	Sainthia	1116	99	100			199	I
3	Suman Rakhecha	5806	2015	Mumbai Kand	440	97.5	96.5			194	II
4	Hema Dugar	5145	2014	Kolkata	332	93.5	98.5			192	III

Tatwagyan Year IV (Batch 2017)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Sumita Bengani	5272	2014	Mumbai Kand	442	98	100			198	I
2	Samta Ranka	3506	2012	Banglore	75	98.5	98.5			197	II
3	Mumukshu Shweta(A. Preksha)	5064	2014	Ladnun	588	99	98			197	II
4	Sanju Dugar	5418	2014	Sardarsahar	708	98.5	98.5			197	II
5	Ostwal Shashi Rakesh	5554	2014	Amraibari	1071	95.5	95.5			191	III

बढ़ते कदम

Tatwagyan Year V (Batch 2017)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Padma Surana	4005	2013	Banglore	84	99.5	98.5			198	I
2	Sunita P. Choraria	4863	2013	Ichalkaranji	1092	95.5	96.5			192	II
3	Jyoti Surana	4022	2013	Chennai	162	98.5	92.5			191	III

Tatwagyan Year VI (Batch 2017)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Manju Borad	3981	2012	Sriganganagar	1062	100	99	49.5	49.5	298	I
2	Seema Dungarwal	2809	2010	Gulab bagh	845	100	95	50	50	295	II
3	Indra Daga	3741	2012	Guwahati	744	99	98	49	48	294	III
4	Asha Borad	3979	2012	Sriganganagar	1060	100	100	44	50	294	III

Terapanth Darshan Year I (Batch 2017)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Sheetal Sanghvi	7263	2017	Mumbai Kand	432	83	87			170	I
2	Jayanti Singhi	7326	2017	Surat	516	85.5	83.5			169	II
3	Santosh Bhansali	7328	2017	Surat	518	83	81			164	III
4	Mumukshu Dharti	7340	2017	Ladnun	559	86.5	77.5			164	III

Terapanth Darshan Year II (Batch 2017)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Shashi Binayakia	6602	2016	Cuttack	604	83	85			168	I
2	Seema Ranka	6347	2016	Ahmedabad	19	72	80			152	II
3	Seema J. Dangi	6831	2016	Udhna	958	72.5	72.5			145	III

Terapanth Darshan Year III (Batch 2017)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Sushila Pugaliya	5880	2015	Sardarsahar	707	81.5	85.5			167	I
2	Ranjana Marothi	5686	2015	Ahmedabad	18	76	90			166	II
3	Pushpa Minni	5879	2015	Sardarsahar	706	84	81			165	III

Terapanth Darshan Year IV (Batch 2017)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Prema Bharsaria	5646	2014	Mumbai Ghat	1206	83.5	74.5			158	I
2	Pushpa Mehta	5647	2014	Mumbai Vasi	1347	80	67			147	II
3	Subodh Sethia	5081	2014	Chennai	160	64.5	75.5			140	III

Terapanth Darshan Year V (Batch 2017)

S No	Name	Reg No	Year	Exam Center	Roll No.	Marks 1	Marks 2	Written	Viva	Total	Merit
1	Nirmala J. Naulakha	4437	2013	Mumbai Kand	445	88.5	85.5	41.5	46.5	262	I
2	Suman V. Chhajer	4477	2013	Surat	545	65.5	72.5	26.5	41.5	206	II
3	Veena P. Sethia	4719	2013	Mumbai Thane	920	64	66	27.5	32.5	190	III

आभार :

सम्माननीय तत्त्वज्ञ श्राविका श्रीमती रतनी देवी, सुपुत्र श्री सुमतिचंद सुमन जी, योगेन्द्र नीलम गोठी (मुम्बई-सरदारशहर) परिवार जिनके विशेष सहयोग से तत्त्वज्ञान, तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम का सुचारू रूप से संचालन हो रहा है। अभातेमम की ओर से गोठी परिवार का हार्दिक आभार। इस पाठ्यक्रम से जुड़े सभी प्रशिक्षक एवं परीक्षक जिन्होंने परीक्षा के लिए सहयोग प्रदान किया उनके प्रति हार्दिक कृतज्ञता।

बढ़ते कदम

तत्त्वज्ञान-तेरापंथ दर्शन : आवश्यक दिशा-निर्देश

- वर्ष 2017 तेरापंथ दर्शन/तत्त्वज्ञान की परीक्षा का परिणाम घोषित हो चुका है। परीक्षा परिणाम अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की वेबसाइट **www.abtmm.org** पर देखा जा सकता है।
- परीक्षा परिणाम व मार्कशीट अतिशीघ्र परीक्षा केन्द्रों को भेज रहे हैं। द्वितीय वर्ष तथा उसके ऊपर की कक्षा के परीक्षार्थी फार्म के साथ मार्कशीट की फोटोकॉपी संलग्न करें।
- परीक्षा केन्द्र के लिए आठ परीक्षार्थियों के फार्म भेजना आवश्यक है।
- यदि किसी परीक्षार्थी को **Rechecking** करवानी हो तो परीक्षार्थी पत्र में अपना नाम, रजिस्ट्रेशन नं., रोल नं., वर्ष (कक्षा) लिखकर निम्न पते पर भेजें –

  श्रीमती पुष्पा बैंगानी, 854, वीर अपार्टमेंट, रोहिणी, सेक्टर–13, दिल्ली–85,

  यह पत्र 15 मई तक भेज सकते हैं। **Rechecking** का शुल्क 250/–रू. हैं।
- वर्ष 2018 की परीक्षा हेतु प्रवेश फार्म वेबसाइट पर उपलब्ध है। आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तेरापंथ दर्शन/तत्त्वज्ञान की परीक्षा के फार्म, पाठ्यक्रम एवं मॉडल पेपर उपलब्ध हैं। सभी केन्द्र व्यवस्थापिकाओं व परीक्षार्थियों से निवेदन है कि आप वहां से सारी सामग्री प्राप्त करें।
- परीक्षा प्रवेश फॉर्म भेजने की अंतिम तिथि 15 जुलाई 2018 है।
- प्रत्येक फॉर्म के साथ 100/– रू. की प्रवेश राशि अ.भा.ते.म.मं. के अकाउंट नं. 10272010000350 में जमा करवाकर बैंक की स्लिप या उसकी फोटोकॉपी फार्म के साथ संलग्न करें।

  परीक्षा फार्म निम्न पते पर भेजें

  श्रीमती मंजू भूतोड़िया, डी–68, द्वितीय मंजिल, कीर्ति नगर, नई दिल्ली – 110015
- अ.भा.ते.म.मं. की **App** बन चुकी है। व्यवस्थापिकाओं के **Whatsapp** ग्रुप में **App** का लिंक भेज दिया है।
- **App** पर तत्त्वज्ञान प्रशिक्षण प्रारंभ किया जा रहा है इसलिए सभी परीक्षार्थियों को **App** का लिंक भेज दें।
- भाईयों को भी अधिक से अधिक इस पाठ्यक्रम से जोड़े।

विशेष : बहनों, आप सभी के सुझाव को ध्यान में रखते हुए आगामी वर्ष के प्रश्नपत्र को आसान बनाने का प्रयास किया जायेगा तथा पाठ्यक्रम भी प्रत्येक वर्ष के अनुसार अलग से तैयार करने का प्रयास अभातेममं द्वारा किया जायेगा जिससे आपको अध्ययन में सुविधा हो जायेगी। अतः अधिक से अधिक भाई–बहन इससे जुड़ने का प्रयास करें।

पुष्पा बैंगानी
निर्देशिका

मंजु भूतोड़िया
संयोजिका

तत्वज्ञान व तेरापंथ दर्शन : तृतीय कार्यशाला

जीव इस संसार में जन्म–मृत्यु के चक्र में परिभ्रमण करता रहता है। वह जीव की चौरासी लाख योनियों में अनन्त बार गया होगा। जीव इस चक्र से तभी निकल सकता है जब उसे सम्यक्त्व प्राप्त हो। उसका सम्यक्त्व प्रगाढ़ बने इसके लिए आवश्यक है कि उसे महावीर के दर्शन एवं तत्वों का ज्ञान हो। आचार्य भिक्षु भगवान महावीर के दर्शन के व्याख्याता थे। उन्होंने जो सिद्धांत स्थापित किये वे कोई नये नहीं थे, आगमवाणी का अनुसरण मात्र थे। तत्वज्ञान को व सिद्धांत को समझने के लिए कार्यशाला का तृतीय प्रारूप भेजा जा रहा है। आशा है जो भाई–बहन इन कार्यशालाओं में निरंतर भाग ले रहे हैं उनके विचारों व जीवन में अवश्य परिवर्तन होगा।

प्रारूप : समय 2 घंटा

- जैन तत्त्व विद्या के प्रथम वर्ग के 25 बोलों का पुनरावर्तन, 15 मिनिट की लिखित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (**Objective**)
- द्वितीय वर्ग के 12 बोलों का प्रशिक्षण।
- आचार्य भिक्षु के दान के सिद्धांत का विवेचन तथा वर्तमान संदर्भ में उसकी प्रासंगिकता

तत्वज्ञान / तेरापंथ दर्शन प्रशिक्षण शिविर

तत्वज्ञान के छठें वर्ष और तेरापंथ दर्शन के पांचवे वर्ष की विशेष मौखिक व लिखित परीक्षाओं तथा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 30 सितम्बर तथा 1 व 2 अक्टूबर 2018 को परम श्रद्धेय आचार्य प्रवर के पावन सान्निध्य में चैन्नई में आयोजित किया जायेगा। तत्वज्ञान व तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम के फाइनल वर्ष के परीक्षार्थी 30 सितम्बर को सुबह चैन्नई पहुँचे।

- शिविर का प्रारम्भ मध्यान्ह 2 बजे से होगा।
- आवास व्यवस्था 30 सितम्बर 2018 को प्रातः से उपलब्ध होगी।
- शिविरार्थी शुल्क प्रति व्यक्ति 200/– रूपये होगा।
- शिविरार्थियों को आवास व्यवस्था 2 अक्टूबर 2018 को मध्यान्ह तक उपलब्ध करवायी जायेगी।

अन्य जानकारी हेतु सम्पर्क करें –

श्रीमती पुष्पा बैंगानी
निर्देशिका
9311250290

श्रीमती मंजु भुतोड़िया
राष्ट्रीय संयोजिका
9312173434

जैन स्कॉलर पंचम कार्यशाला सानंद सम्पन्न

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संचालित जैन स्कॉलर योजना के द्वितीय सत्र की पंचम कार्यशाला दिनांक 14 मार्च से 25 मार्च 2018 तक जैन विश्व भारती ''रोहिणी'' लाडनूं में आयोजित की गई। कार्यशाला का शुभारंभ तेरापंथ धर्मसंघ के एकादशम अधिशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी के विद्वान शिष्य मुनिश्री स्वस्तिक कुमारजी के मंगल पाठ से हुआ। संयोजिका श्रीमती पुष्पा बैद ने सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की। ज्ञातव्य है कि आचार्य तुलसी के जैन विद्वान बनाने के स्वप्न को साकार करने में अपने समय और श्रम का नियोजन करने वाली इस योजना की निर्देशिका श्रीमती डॉ. मंजु नाहटा एवं सह निर्देशिका श्रीमती कनक बरमेचा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं इस योजना की पूर्व संयोजिका श्रीमती कुमुद कच्छारा के नेतृत्व में यह योजना सफलतापूर्वक गतिमान है। आगामी चैन्नई चातुर्मास में अंतिम कार्यशाला के आयोजन के साथ ही सभी संभागियों को जैन स्कॉलर की डिग्री भी प्रदान की जायेगी।

इस दस दिवसीय कार्यशाला में समणी डॉ. संगीतप्रज्ञाजी द्वारा प्राकृत, समणी भास्कर प्रज्ञाजी द्वारा संस्कृत, डॉ. मंजुजी नाहटा द्वारा कर्मग्रंथ, श्रीमती सुषमा आंचलिया द्वारा संस्कृत व्याकरण, डॉ. वीरबाला छाजेड़ द्वारा भारतीय दर्शन, सुश्री रंजना गोठी द्वारा जैन भूगोल का अध्ययन कुशलतापूर्वक करवाया गया। इसके अतिरिक्त श्रीमती प्रेम चोरड़िया द्वारा प्रमाण मीमांसा का अध्ययन करवाया गया।

जैन स्कॉलर सीनियर ग्रुप द्वारा ''संज्ञा कोष'' के निर्माण का महत्वपूर्ण कार्य पूर्व में समणी डॉ. शशिप्रज्ञाजी एवं वर्तमान में प्रो. दामोदर जी शास्त्री के निर्देशन में किया जा रहा है जिसमें श्रीमती कनक बरमेचा, डॉ. वीरबाला छाजेड़, रंजना गोठी, प्रेम चोरड़िया एवं सीता डागा सक्रिय रूप से शोधकार्य कर रही है।

कार्यशाला का समापन साध्वी श्री संयमप्रभाजी के सान्निध्य में किया गया। इस कार्यशाला में सूरत, मुंबई, अंकलेश्वर, दिल्ली, हैदराबाद, लाडनूं आदि स्थानो से 13 संभागियों की सहभागिता रही। कार्यशाला को सफल बनाने में कार्यालय प्रभारी श्रीमती सुमन नाहटा एवं राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्रीमती सुमन बैद का भी विशेष सहयोग रहा। **इस योजना की प्रायोजक श्रीमती तारादेवी सुराणा (कोलकाता) के प्रति विशेष आभार।**

इस कार्यशाला की विशेषता यह रही कि आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेंटर का उद्घाटन तथा राष्ट्रीय कार्यसमिति की द्वितीय बैठक लाडनूं में उसी समय होने के कारण इस योजना की पूर्व संयोजिका श्रीमती कल्पना बैद सहित सभी पदाधिकारियों की विशेष उपस्थिति रही।

देशभर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में राष्ट्रीय अध्यक्ष की सहभागिता

258 वें आचार्य भिक्षु अभिनिष्क्रमण दिवस पर बगड़ी में आयोजित अध्यात्म चेतना समारोह

तेरापंथ के ऐतिहासिक स्थल बगडी में जहाँ से आचार्य भिक्षु ने सत्य क्रांति के स्वर उद्घाटित किये ऐसी पुण्यस्थली में उनके 258 वें अभिनिष्क्रमण दिवस को अध्यात्म चेतना समारोह के रूप में मनाया गया। समणी कुसुमप्रज्ञाजी एवं समणी हंसप्रज्ञाजी तथा स्थानकवासी सम्प्रदाय की साध्वी राजस्थान सिंहनी आगम तत्वज्ञ डॉ. चेतनाश्रीजी व सहवर्तिनी साध्वीश्री के सान्निध्य में भव्य रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में अभातेममं अध्यक्ष श्री कुमुद कच्छारा मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित थी। बगडी सभा के अध्यक्ष श्री जयंतिलालजी सुराणा ने समागत अतिथियों का स्वागत किया। समणी हंसप्रज्ञाजी, राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्रीमती लक्ष्मी सुराणा ने भिक्षु अष्टक्रम का संगान कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। समणी कुसुम प्रज्ञाजी ने तेरापंथ के आद्यप्रवर्तक, पराक्रमी, पुरुषार्थी पुरुष आचार्य भिक्षु की औत्पति बुद्धि व हाजिरजवाबी दर्शाते ऐतिहासिक संस्मरणों को याद किया। समणी हंसप्रज्ञाजी ने सुंदर गितिका के द्वारा स्वामीजी को अभ्यर्थना प्रेषित की। साध्वी श्री डॉ. चेतनाश्रीजी ने स्वामीजी को श्रद्धासिक्त अभिवंदना करते हुए कहा कि, जिंदगी में मुसीबतें आती है तब कोई बिखरता है तो कोई निखरता है। स्वामी जी एक ऐसे संत थे जिन्होंने ऐसे सत्य की खोज की जिससे उनके व्यक्तित्व में तो निखार आया पर साथ ही साथ उन्होंने तेरापंथ धर्मसंघ का उदय कर उसे एक उजले सितारे के रूप में विश्व क्षितिज पर स्थापित किया। समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि हमारी आराध्य के प्रति सच्ची अभ्यर्थना तभी होगी जब हम सभी अनाग्रही जीवन जीने का प्रयास करेंगे। व्यवहार में विनम्रता व रग-रग में अध्यात्म चेतना का संचार कर स्वामीजी के बताये मार्ग का अनुसरण करेंगे। कार्यक्रम में जीवन विज्ञान अकादमी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गौतम कुमार सेठिया, अणुविभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री निर्मल जी रांका ने भी अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। समारोह में बगडी के ठाकरसा. स्थानीय स्कूल प्रिंसिपल एवं रा.का.स. श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा की गरिमायी उपस्थिति रही। बगडी सभा के मंत्री श्री संतोष जी धाड़ीवाल ने कार्यक्रम का कुशल संचालन किया। श्री राजेश पोखरना ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया। स्थानीय व देशभर में प्रवासित बगड़ी निवासी श्रद्धालुओं ने समारोह में शिरकत कर स्वामीजी को श्रद्धा सुमन अर्पित किये।

कंटालिया - आचार्य भिक्षु की जन्मभूमि कंटालिया में बगडी से लाडनूं की यात्रा के मध्य राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा व रा.का.स. श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा प्रथम बार दर्शनार्थ पहुँची। जन्म स्थल पर स्वामीजी की जीवनी पर आधारित चित्रावली देख अभिभूत हुए व तेरापंथ धर्मसंघ का बीजारोपण करने वाले पुण्यात्मा की जन्मदात्री माँ दीपां के प्रति अहोभाव प्रेषित किये। ऐसी पुण्यधरा का स्पर्श कर स्वयं को धन्य महसूस किया तत्पश्चात् **समाधि स्थल सिरियारी** में जप कर नवीन ऊर्जा प्राप्त की।

तेरापंथ सभा भवन बांद्रा (मुंबई) का लोकार्पण समारोह

शांतिदूत आचार्य श्री महाश्रमणजी की विदुषी शिष्या साध्वीश्री अणिमाश्रीजी एवं साध्वी डॉ. मंगलप्रज्ञाजी एवं साध्वीवृंद के सान्निध्य में तेरापंथ सभाभवन बांद्रा के लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। अहिंसा रैली के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। तेरापंथ समाज मुंबई के सभी गणमान्य पदाधिकारी एवं व्यक्तियों की गरिमामय उपस्थिति के साथ अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने भी मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शिरकत की। तेरापंथ समाज बांद्रा, युवक परिषद् एवं महिला मंडल का उत्साह चरम सीमा पर था। ज्ञानशाला के बालकों की व कन्या मंडल की सुंदर प्रस्तुति के साथ साध्वीश्री जी के सान्निध्य में दायित्वबोध कार्यशाला का भी आयोजन हुआ। इस समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं रा.का.स. जयश्री बडाला, ज्ञानशाला आंचलिक संयोजिका रा.का.स. निर्मला चण्डालिया, सुनीता जी परमार आदि बहिनों की विशेष उपस्थिति रही।

भुज कच्छ में तेरापंथ भवन का लोकार्पण समारोह

त्याग भूमि भुज जहाँ से लगभग 32 साधु-साध्वी संघ को समर्पित है ऐसी पुण्य धरा पर मुनिश्री डॉ. मदनकुमारजी व मुनिश्री सिद्धार्थ कुमारजी के सान्निध्य में तेरापंथ भवन के लोकार्पण कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। संख्या की दृष्टि से छोटे परन्तु श्रद्धा, भक्ति, समर्पण व अध्यात्म से छलोछल ऐसे क्षेत्र में भवन का निर्माण संघ व संघपति के प्रति सम्पूर्ण निष्ठा व सदस्यों की शक्ति का प्रतिक है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा भक्ति से सरोबार क्षेत्र की सराहना करते हुए भवन लोकार्पण पर बधाई प्रेषित की साथ ही प्रथम बार मुनिद्वय के दर्शन करने का सौभाग्य मिला यह बताते हुए मुनिश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की। सिद्धार्थ मुनि की जन्मभूमी भुज में भुज समाज के विशेष निवेदन पर कार्यक्रम हेतु मुनिद्वय ने उग्र विहार कर समय से पूर्व पधार कर सान्निध्य प्रदान करवाया। कार्यक्रम के प्रथम चरण का संचालन मुनि श्री सिद्धार्थ कुमारजी ने किया। समारोह में महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गौतम जी

सालेचा, अभातेयुप अध्यक्ष श्री विमल जी कटारिया, महामंत्री संजीव जी कोठारी, उपाध्यक्ष श्री मुकेश पुगलिया, अणुव्रत महासमिति सहमंत्री राजेश जी कावडिया, श्री अशोक जी सिंघवी, जवेरीलाल जी सकलेचा, श्री अनिल चंडालिया, स्थानीय तेयुप अध्यक्ष श्री भरत मेहता, मंत्री श्री आशीष बाबरिया व उनकी पूरी टीम व महिला मंडल की पूरी टीम की गरिमामयी उपस्थिति रही। भुज समाज से मिलकर, उनका स्वागत व स्नेह पाकर रा. अध्यक्ष को सात्वीक गौरव की अनुभूति हुई।

होली चातुर्मास व खानदेश स्तरीय स्वागत समारोह

विदुषी साध्वी श्री निर्वाणश्री जी ठाणा - 6 के सान्निध्य में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा खानदेश के तत्वावधान में खानदेश स्तरीय स्वागत समारोह व होली चातुर्मास का कार्यक्रम नासिक में तेरापंथी सभा व महिला मंडल द्वारा आयोजित किया गया। खानदेश के तेरह क्षेत्रों, धुलिया, जलगाँव, चालीस गाँव, मालेगाँव, मनमाड़, इगतपुरी आदि स्थानों से पदाधिकारियों सहित भाई-बहिनों ने शिरकत की जिसमें मुख्य अतिथि अ.भा.ते.म.मं. की कर्मठ अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा थी। होली चातुर्मास पर आयोजित इस समारोह में साध्वी श्री निर्वाणश्रीजी ने पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि नमस्कार महामंत्र के दिव्य रंगों से हम असली रंगोत्सव मनाये, आधि व्याधि और उपाधि मिटायें। डॉ. साध्वी योगक्षेमप्रभाजी ने अपने वक्तव्य में कहा कि रंगों के उत्सव में नवरंग घोल रही है तेरापंथ के तेरह क्षेत्रों से समागत यह पचरंगी परिषद्। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा - होली चातुर्मास का यह मंगल पर्व हमें आत्मावलोकन की प्रेरणा दे रहा है। साध्वी श्री जी के दर्शन पाकर हम अत्यंत आह्लादित है। नासिक में प्रथम बार अ.भा.ते.म.मं. के अध्यक्ष का आगमन बहनों को उत्साहित कर रहा था। स्थानीय मंडल अध्यक्ष श्रीमती स्नेहा बोहरा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया। कार्यक्रम में खानदेश सभा अध्यक्ष श्री नानकचंदजी तनेजा, मंत्री श्री सूरजमल जी सूर्या, महासभा कार्यकारिणी सदस्य श्री अनिल जी सांखला, श्री जितेन्द्र जी कच्छारा, श्री विमल जी सोनी, श्री नरेन्द्र जी तातेड़, श्री अशोक जी रांका व अन्य क्षेत्रों से अध्यक्ष मंत्री आदि की उपस्थिति रही। तेयुप अध्यक्ष श्री सुरेश जी चोरड़िया, स्थानकवासी समाज से श्री जे.सी. भंडारी ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। इस अवसर पर अन्य जैन समाज भी उपस्थित रहा। साध्वीवृंद ने सुमधुर स्वर में होली गीत का संगान किया। कार्यक्रम का संचालन साध्वीश्री डॉ. योगक्षेम प्रभाजी ने किया।

कोपरखेरणा (मुंबई) तेयुप द्वारा आ.तुलसी डायग्नोस्टिक सेन्टर का उद्घाटन समारोह

उग्रविहारी तपोमूर्ति मुनिश्री कमलकुमारजी के सान्निध्य में आयोजित ATDC के उद्घाटन समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं मुंबई अध्यक्ष, रा.का.स. श्रीमती जयश्री बडाला की विशेष गरिमामयी उपस्थिति रही। अभातेयुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विमल जी कटारिया, महामंत्री श्री संदीप जी कोठारी के नेतृत्व में कोपरखेरणा युवक परिषद् द्वारा आचार्य तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर का भव्य उद्घाटन जय तुलसी फाउण्डेशन के प्रधान न्यासी श्रीमान् हीरालालजी मालू के कर कमलों से हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमान चन्दनमल जी राजेन्द्र जी बैद की विशेष उपस्थिति रही। अभातेयुप के निवर्तमान अध्यक्ष श्री बी.सी. भलावत जी सहित अभातेयुप की पूरी मुंबई टीम तथा JTN से श्री समकित जी पारिख, जय तुलसी फाउण्डेशन के महामंत्री श्री सलिल जी लोढ़ा, बाबूलाल जी बाफना, प्रकाश जी बोहरा, विनोद जी बोहरा आदि गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने कोपरखेरणा तेयुप अध्यक्ष सुशील जी एवं पूरी टीम को तथा विमलजी की पूरी टीम को बधाई देते हुए कोपरखेरणा महिला मंडल की संयोजिका सूरबाला जी को आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेंटर का जल्दी ही शुभारंभ करने की बात करते हुए पूरे समाज से आह्वान किया तथा मुनिश्री जी को नारीलोक भेंट करते हुए आयंबिल अनुष्ठान की प्रेरणा देने हेतु निवेदन किया तथा उपस्थित परिषद् से भी इस अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

ज्ञानशाला विभाग मुंबई के वार्षिक अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष टीम के साथ

शासन श्री साध्वी श्री सोमलताजी के सान्निध्य में कांदिवली, ठाकुर कॉम्प्लेक्स में आयोजित ज्ञानशाला विभाग मुंबई के वार्षिक अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, ट्रस्टी प्रकाशदेवी तातेड़, रा.का.स. एवं मुंबई महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती जयश्री बडाला, रा.का.स. श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा, श्रीमती तरूणा बोहरा एवं विशेष आमंत्रित सदस्य रचना हिरण ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। मुंबई सभाध्यक्ष श्रीमान सुनीलजी कच्छारा एवं टीम, ज्ञानशाला राष्ट्रीय संयोजक श्रीमान सोहनराजजी चौपड़ा, ज्ञानशाला आंचलिक संयोजिका रा.का.स. श्रीमती निर्मला चण्डालिया तथा ज्ञानशाला परिवार ने राष्ट्रीय टीम का स्वागत करते हुए प्रमोद भावना व्यक्त की। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने साध्वीश्री जी को आयंबिल अनुष्ठान की प्रेरणा हेतु निवेदन करते हुए साध्वीश्री जी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित की तथा ज्ञानशाला परिवार को संबोधित करते हुए कहा कि ज्ञानशाला प्रकोष्ठ हमारी बहुत बड़ी ताकत है। यदि आप हमारा सच्चा स्वागत करना चाहते हैं तो 24 अप्रैल को अधिक से अधिक आयंबिल करने में सहयोग करें, सामायिक संकल्प से जुड़े। निर्मलाजी चण्डालिया ने ज्ञानार्थी एवं प्रशिक्षकों को अच्छी संख्या में इस अभियान से जोड़ने का विश्वास दिलाया।

बढ़ते कदम

देशभर में सफल रहा तपोमहायज्ञ आयंबिल अनुष्ठान

कर्म निर्जरा के उपक्रम से अभातेममं ने बनाया विश्व कीर्तिमान

''वीतराग मूर्ति आचार्य श्री महाश्रमणजी के 57 वें जन्मदिवस पर अखिल भारतीय महिला मंडल द्वारा पूज्य प्रवर के श्रीचरणों में 57000 आयंबिल एवं 57 लाख सामायिक के संकल्पों का त्यागमय उपहार समर्पित किया गया।'' ''मानवता के मसीहा महातपस्वी परम पूज्य आचार्य महाश्रमणजी एवं मातृशक्ति की शान साध्वी प्रमुखा श्री कनकप्रभाजी के चरणों में कृतज्ञता भरा वंदन जिनके आशीर्वाद से अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का तपोमहायज्ञ आयम्बिल अनुष्ठान देशभर में सफल रहा। शासन स्तम्भ श्रद्धेय मंत्री मुनि प्रवर, मुख्य मुनिश्री, मुख्य नियोजिकाजी, साध्वीवर्याजी तथा देशभर में प्रवासित समस्त साधु साध्वियों एवं समण समणीवृन्द के प्रति हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करते है जिन्होंने श्रावक समाज को विशेष प्रेरणा देकर इस अभियान को सफल बनाया। इस अभियान में सहयोगी बनने वाली तेरापंथ धर्मसंघ की सभी सभा संस्था (संस्था शिरोमणि महासभा, अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद्, **TPF**, अणुव्रत समहासमिति आदि) तथा उपासक श्रेणी, ज्ञानशाला प्रकोष्ठ, किशोर मंडल आदि सभी के प्रति विशेष धन्यवाद जिनके सहयोग ने हमारा हौसला बुलंद किया। हमारी ऊर्जा वाहिनी कहलाने वाली समस्त शाखा मंडल की ऊर्जावान अध्यक्ष, मंत्री एवं पूरी टीम तथा हमारी ताकत हमारी बेटियां जिनका श्रम हमारे हर सपने को सार्थक करने में उपयोगी साबित होता है। उन सभी के प्रति अतिविशेष आभार क्यूंकि उनकी बदौलत ही 48 दिनों में बना पाए दो-दो विश्वकीर्तिमान। इस अभियान को जनव्यापी बनाने में सहयोगी बना सोशल मीडिया खास तौर से संघ संवाद, गढछ, चचइत्रऋ और मीडिया से जुड़ हुए अनेक भाई-बहनों का सहयोग हमें मिला जैसे राजेशजी कावड़िया, अंकुर बोरदिया, सुशीलजी बाफना और ऑनलाइन इस अभियान को संचालित करने में भाई जितेन्द्र जी मालू का विशेष सहयोग रहा सभी का आभार। अभातेममं के समस्त पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्यों के प्रति आभार प्रधान ट्रस्टी श्रीमती सायर बैंगानी के निर्देशन में देश की राजधानी दिल्ली में तथा ट्रस्टी श्रीमती प्रकाश देवी तातेड़ के निर्देशन में झीलों की नगरी उदयपुर में सामूहिक आयम्बिल का अनुष्ठान हुआ। इस अभियान की संयोजिका ऊर्जावान कार्यकर्ता नीतू ओस्तवाल जिसने प्रारंभ से लेकर अंत तक इस दायित्व को बड़ी निष्ठा एवं समर्पण भाव से बखूबी निभाया और उसकी सहयोगी बनी सह संयोजिका डॉ. नीना कावड़िया और इन दोनों के कन्धों को मजबूत किया हमारी प्रत्येक क्षेत्रीय प्रभारी बहिनों ने उन सभी के लिए धन्यवाद शब्द बहुत छोटा है। सपना हम देखते है पर पूरा करने में हमारे शाखामंडलों का पूर्ण योगदान रहता है। अति प्रसन्नता होती है जब हमें सफलता मिलती है, भीतर से एक अहसास होता है कि संगठन में कितनी ताकत होती है। हमारी बहिनों में वह ताकत दिखाई देती है। कोई भी कार्य दिया हो तन-मन-धन से जुट जाती है उसे पूरा करने में। सभी के प्रति आभार।

24 अप्रैल को विशेष आकर्षण का केन्द्र बना हीरों की नगरी कहलाने वाला हमार सूरत महिला मंडल। आप सभी को जानकर अति प्रसन्नता होगी कि सूरत में शासन श्री साध्वी शिवमालाजी, शासनश्री साध्वी सरस्वतीश्रीजी एवं साध्वीवृन्द के सान्निध्य में **750 सामूहिक आयंबिल** हुए। जिसके साक्षी बने गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के अधिकारी श्री आलोक कुमार जी उन्होंने इस तप के प्रति प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महिनें में एक बार करने का भाव दर्शाया। राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा एवं कार्य समिति सदस्य श्रीमती मंजू नौलखा की गरिमामयी उपस्थिति प्रारंभ से अंत समय तक रही। सूरत महिला मंडल की कर्मठ अध्यक्ष श्रीमती सुनीता सुराणा, मंत्री एवं पूरी टीम के प्रति बहुत बहुत आभार। सूरत सेंटर की हमारी संयोजिका राष्ट्रीय ट्रस्टी कनकजी बरमेचा एवं मंजू जी नौलखा ने ''गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड'' के प्रतिनिधी आलोकजी से प्रोविजनल सर्टिफिकेट प्राप्त कर गौरव की अनुभूति की।

अभातेममं के लिए गौरव की बात यह रही कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित भव्य रैली '**We Can**' के वर्ल्ड रिकॉर्ड का फाइनल सर्टिफिकेट भी आलोकजी ने भेंट किया। विशाखापट्नम में परम पूजय गुरुदेव की पावन सन्निधि में राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में तथा राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती सूरज बरड़िया, महामंत्री नीलम सेठिया, कार्यसमिति सदस्य शोभा दुगड़, शशि नाहर, प्रभा दुगड़, उषा बोहरा व सुमन लुनिया की गरिमामयी उपस्थिति में लगभग 280 आयंबिल हुए तथा कई उपवास भी हुए। ब्रह्ममुहूर्त में विशाखापट्टनम महिला मंडल की बहिनों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं महामंत्री के साथ 57 विशेष सम्बोधनों की तख्तियों के साथ मंगल गीत की प्रस्तुति दी और भीतर में धन्यता का अनुभव किया। विजाग की अध्यक्ष सज्जनजी हीरावत, मंत्री वंदना जी विनायकिया तथा उनकी पूरी टीम के प्रति हार्दिक धन्यवाद। पुनः समाज के सभी सदस्यों के प्रति आभार जिन्होने आयंबिल तथा सामायिक संकल्प के लक्ष्य को पूरा करने में अपना सहयोग प्रदान किया। अनेकों भाई बहन आयंबिल तप से अनभिज्ञ थे उनके भीतर एक चेतना जगी और गुरु चरणों में भेंट चढ़ी।

बढ़ते कदम

हमारा परम सौभाग्य है कि **जैन विश्व भारती न्यूजर्सी** में समणी जयंतप्रज्ञाजी एवं समणी सन्मतिप्रज्ञाजी की विशेष प्रेरणा से 23 आयम्बिल हुए। समणी द्वय के प्रति हार्दिक कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। यूएसए में श्रीमती लता जी जैन, श्री बजरंग जी जैन ने आयम्बिल किये। दुबई में तत्वज्ञ श्रावक श्री राजेन्द्र जी बैंगानी सहित 10 आयम्बिल हुए।

सेवा का विशिष्ट प्रकल्प : फिजियोथैरेपी सैन्टर

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के सेवा के क्षेत्र में किए जाने वाले विभिन्न कार्यों में फिजियोथेरेपी सेन्टर का विधिवत् प्रारम्भ एक विशिष्ट कार्य है। ज्ञातव्य है कि सन् 2015 में श्रीमती सूरज बरड़िया के अध्यक्षीय कार्यकाल में इस सेवा प्रकल्प का प्रारम्भ ''रोहिणी'' भवन से किया गया था। कालान्तर में श्रीमती कल्पना बैद के अध्यक्षीय कार्यकाल में फिजियोथेरेपी सेन्टर की विधिवत् प्रारंभ करने की संपूर्ण संकल्पना एवं समायोजना की गयी। जिसके परिणामस्वरूप अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के रोहिणी कार्यालय के परिपार्श्व में ही आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेन्टर के भवन का निर्माण हुआ और इसका विधिवत् उद्घाटन दिनांक 26 मार्च 2018 को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में हुआ।

जैन विश्व भारती संस्थान के आचार्य महाश्रमण ऑडिटोरियम में आयोजित उद्घाटन समारोह में साध्वी श्री संयम प्रभाजी की सहवर्तिनी साध्वी श्री मार्दवयशाजी एवं समणी नियोजिका समणी डॉ. चारित्रप्रज्ञा जी एवं समणी डॉ. ऋजुप्रज्ञाजी का मंगल सान्निध्य रहा। कार्यक्रम का शुभारम्भ तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं की बहनों द्वारा मंगलाचरण से किया गया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने स्वागत मन्तव्य प्रस्तुत करते हुए निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती कल्पना बैद एवं उनकी पूरी टीम को सेवा के इस कल्याणकारी प्रकल्प हेतु हार्दिक साधुवाद दिया। फिजियोथेरेपी सेन्टर की संयोजिका एवं अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती कल्पना बैद ने इस प्रोजेक्ट की संकल्पना से लेकर इसको मूर्त रूप देने तक की संपूर्ण परियोजना को प्रस्तुत किया। श्रीमती बैद ने बताया कि इस फिजियोथेरेपी सेन्टर के निर्माण में विभिन्न सरकारी - गैर सरकारी कार्यों एवं निर्माण संबंधी अनेक कार्यों में विभिन्न व्यक्तियों एवं संस्थाओं का विशेष रूप से योगदान रहा है। इस प्रकल्प की प्रारंभिक अवस्था में श्री सुरेन्द्र जी बोरड़ (बेल्जियम) का अनन्य सहयोग रहा। जैन विश्व भारती के अध्यक्ष श्री रमेश जी बोहरा ने संस्थागत कार्यों को सुगमता से संपन्न करवाया। श्रीमती कल्पना बैद ने बताया कि उनके अध्यक्षीय कार्यकाल का यह एक स्वप्न था, जो पूर्ण रूप से आज साकार हुआ है जिसमें उनकी टीम और समाज का अनन्य सहयोग एवं श्रम रहा है। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के नव निर्माण के साथ-साथ सेवा के क्षेत्र में विशेष उपयोगी रहेगा।

जय तुलसी फाउंडेशन के प्रबंध न्यासी समाजसेवी एवं सहयोगी श्री हीरालाल जी मालू ने मंडल के इस प्रकल्प को स्वास्थ्य के क्षेत्र में उपयोगी बताया एवं इसके उतरोत्तर विकास की कामना की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि लाडनूं विधायक ठाकुर मनोहर सिंह ने अपने वक्तव्य में कहा कि इस क्षेत्र में पेयजल की अशुद्धता के कारण हड्डी एवं जोड़ों के रोग अधिक होते हैं। इस सेन्टर की चिकित्सा द्वारा ऐसी स्वास्थ्य समस्याओं का स्थायी समाधान नगर में ही उपलब्ध होगा। जैन विश्व भारती संस्थान के कुलपति प्रो. बच्छराज जी दुगड़ ने आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेन्टर को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल का एक ठोस कार्य बताया तथा समकित विकास की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी।

इस कार्यक्रम में एक क्रम ओर जुड़ा - लाडनूं नगरपालिका को अवशिष्ट अवशोधन संयंत्र के हस्तान्तरण का। ज्ञातव्य है कि श्रीमती आरती राकेश जी कठोतिया के सहयोग से इस संयंत्र का निर्माण विगत कार्यकाल में करवाया गया था। मंडल के पदाधिकारियों एवं श्रीमती आरती राकेश जी कठोतिया द्वारा इस संयंत्र को लाडनूं नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती संगीता पारीक को हस्तान्तरित किया गया। इस संयंत्र के द्वारा गीले कचरे को कम्पोस्ट खाद में परिवर्तित किया जाएगा जिससे अवशिष्ट निस्तारण में सहायता मिलेगी। विदित है कि अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को वर्ष 2017 में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वच्छ भारत अभियान की ब्राण्ड एम्बेसडर नियुक्त किया गया था। इसी को ध्यान में रखते हुए विगत तीन वर्षों से अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल स्वच्छता की दिशा में विशेष प्रयास कर रही है। नगरपालिका संबंधित सरकारी कार्यों के संपादन के लिए श्री धनपत जी दुगड़ का विशेष सहयोग रहा।

समणी चारित्रप्रज्ञा जी ने इस सेन्टर को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की युगानूकूल सोच बताकर इसके सफल संचालन हेतु मंगलकामना व्यक्त की। नगरपालिका चेयरमेन श्रीमती संगीता पारीक ने मंडल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे सहयोग की अपेक्षा रखी। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की चीफ ट्रस्टी श्रीमती सायर बैंगानी ने मंडल के इस प्रकल्प के प्रति अपनी हार्दिक शुभकामनाएं व्यक्त की। इस कार्यक्रम में आचार्य महाश्रमण

फिजियोथेरेपी सेन्टर के निर्माण में सहयोगी बने विभिन्न व्यक्तियों का सम्मान किया गया। भूमि आवंटन एवं प्राप्ति के विषय में श्रीमती जतन देवी भंडारी का विशेष सहयोग रहा। भवन निर्माण के विशिष्टतम सहयोगी के रूप में श्रीमती पानादेवी-कल्पना-अरूणा बैद-लाडनूं (कोलकाता), श्रीमती उषा-रमेशचंद बोहरा-चैन्नई, श्रीमती संतोष-सुरेन्द्र चौरड़िया, चाड़वास कोलकाता एवं बेल्जियम को सम्मानित किया गया। विशिष्ट सहयोग के लिए श्रीमती सौभाग-पन्नालाल बैद, जयपुर, श्री नोरतनमल सुराणा, कोलकाता, श्रीमती कमला देवी बरड़िया, जयपुर, श्रीमती लक्ष्मी-चैनरूप चिण्डालिया, श्रीमती रतन देवी कोठारी - जयपुर, श्रीमती कनक-प्रदीप कुण्डलिया-कोलकाता, श्री अमरचन्द धरमचंद लुंकड़, चैन्नई आदि का सम्मान किया गया। श्रीमती गुलाब - सुमेरमल सुराणा - कोलकाता एवं श्रीमती शोभा धनपत दुगड़ का इस समारोह में विशेष सहयोगी के रूप में सम्मान किया गया। विभिन्न क्षेत्रों के शाखा मंडल बैंगलोर, सूरत, कोलकाता, अहमदाबाद एवं चैन्नई का भी सहयोगी मंडल के रूप में इस फिजियोथेरेपी सेन्टर के निर्माण में योगदान रहा। इस समारोह में सुश्री वीणा जैन, माणकबाई, कमला बाई, सुशीला बाई तथा लाडनूं एवं आसपास के महिला मंडल की विशेष उपस्थिति रही।

इस भव्य उद्घाटन समारोह में जय तुलसी फाउंडेशन के महामंत्री श्री सलिल लोड़ा, जैन विश्व भारती के ट्रस्टी श्री भागचन्द बरड़िया, आचार्य तुलसी शांति प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्री लूणकरण छाजेड़, सरदारशहर नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती सुषमा पींचा, श्रीमती विमला दुगड़, श्री राजकुमार चौरड़िया, श्री शांतिलाल बरमेचा, श्री शांतिलाल बैद आदि गणमान्य नागरिकगण प्रस्तुत थे। इस उद्घाटन समारोह में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की पूर्व महामंत्री श्रीमती सुमन नाहटा ने यह कहकर - ''कल्पना की कल्पना साकार हो गयी'' मंच का कुशल संचालन किया। महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने आभार ज्ञापन किया। उद्घाटन समारोह से पूर्व मुनि स्वस्तिककुमार द्वारा मंगल पाठ के उच्चारण एवं श्रीमती सायर हीरालाल मालू के करकमलों से आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेन्टर के नवीन भवन का उद्घाटन हुआ। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में श्री राजुजी खटेड़, विजयश्री, कार्यालय प्रभारी श्रीमती सुमन नाहटा एवं सभी कर्मचारीगण का विशेष सहयोग रहा।

चंदेरी की धरा पर वर्ष 2017-19 की राष्ट्रीय कार्यसमिति की द्वितीय बैठक सम्पन्न

जैन विश्व भारती के प्रांगण में नवनिर्मित आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेन्टर में सर्वप्रथम अ.भा.ते.म.मं. के ट्रस्ट बोर्ड की मीटिंग प्रधान ट्रस्टी श्रीमती सायर बैंगानी की अध्यक्षता में सानंद सम्पन्न हुई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में वर्ष 2017-19 की कार्यसमिति की द्वितीय मीटिंग की पूर्व संध्या पर सागर गेस्ट हाउस में अनौपचारिक मीटिंग आयोजित की गयी। सर्वप्रथम महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने अ.भा.ते.म.मं. की **App** के बारे में जानकारी देते हुए उसकी उपयोगिता के बारे में बताया व उसका प्रचार प्रसार कर ज्यादा से ज्यादा बहनें एप डाउनलोड कर उसका अधिकतम लाभ ले इसकी प्रेरणा दी। जैन स्कॉलर योजना संयोजिका राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने तत्काल में संपन्न हुई जैन स्कालर योजना की जानकारी देते हुए सदस्यों से नये बैच के लिए संभागी तैयार करने का आह्वान किया। साथ ही हर शाखा मंडल से बहनें इस योजना से जुड़े ऐसा प्रयास सभी सदस्य करें यह निवेदन किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा व संगठन विभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा ने सभी क्षेत्रीय प्रभारी बहनों से संगठन यात्रा का ब्यौरा लिया। सभी प्रभारी बहनों ने उनके द्वारा देशभर में की गयी यात्रा का संपूर्ण विवरण प्रस्तुत किया एवं यात्रा के दौरान प्राप्त जानकारी के अनुसार शाखा मंडल की समस्याओं, जिज्ञासाओं को भी पदाधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया।

छः माह की अवधि में राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री, पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्याओं द्वारा कुल **135** क्षेत्रों की संगठन यात्रा करने पर प्रभारी बहनों के श्रम की सराहना करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने उन्हें बधाई दी। साथ ही बहनों को प्रेरणा देते हुए कहा कि वे सभी आधुनिक तकनीकी का उपयोग कर **Reporting**, **Paper Work** आदि कार्यो में निपुण बनने का प्रयास करे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में कार्यसमिति की द्वितीय मीटिंग जैविभा के सचिवालय में आयोजित की गयी। बैठक में कार्यकाल के छः माह का लेखा जोखा किया गया। सभी विभागीय संयोजिकाओं ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। योजनाओं के संदर्भ में विचारों का आदान प्रदान किया गया। मीटिंग में पूर्व निर्धारित एजेंडा के सभी बिंदुओं पर चर्चा करते हुए आगामी कार्यक्रमों पर विचार विमर्श कर मंडल व बहनों के चौमुखी विकास हेतु चिंतन कर ठोस निर्णय लिये गये। मीटिंग को सफल बनाने में जेविभा के अध्यक्ष श्री रमेश जी बोहरा का व्यवस्थाओं में विशेष सहयोग रहा। साथ ही साथ शोभा जी दुगड़, पुष्पा जी बैद, रंजु खटेड़, आरती कठोतिया, सुमन बैद, सुमन नाहटा, विजयलक्ष्मी भूरा, विमला जी दुगड़ आदि सभी रा.का.स. का विशेष सहयोग रहा।

बढ़ते कदम

जयपुर – ट्रस्टबोर्ड की एवं राष्ट्रीय कार्यसमिति की द्वितीय बैठक सानंद सम्पन्न कर राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा महामंत्री ने श्री सुशील जी बाफना के साथ जयपुर में शासन स्तम्भ श्रद्धेय मंत्री मुनि प्रवर, मुनि श्री उदित कुमारजी एवं मुनिवृंद के दर्शन किये, राष्ट्रीय अध्यक्ष ने छह माह के कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी देते हुए PDF के सभी Edition तथा नारीलोक मंत्रीमुनि प्रवर को भेंट किये श्रद्धेय मंत्रीमुनि प्रवर ने गहराई से अवलोकन करते हुए और अच्छा कार्य करने का आशीर्वाद प्रदान किया।

अहमदाबाद – अहमदाबाद के सक्रिय उपनगर मणिनगर (कांकरिया) में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने शासनश्री साध्वी रामकुमारजी आदि साध्वीवृंद के दर्शनकर आशीर्वाद प्राप्त किया। संस्था की गतिविधियों की जानकारी देते हुए आगामी तपोमहायज्ञ आयंबिल अनुष्ठान के लिए प्रेरणा देने का निवेदन किया। साध्वीश्री जी की विशेष प्रेरणा से वहां के क्षेत्र की बहनों में अत्यंत जागरूकता है। सामायिक एवं आयंबिल के लिए संकल्प किये हैं। पूर्व रा.का.स. श्रीमती सावित्री लूणिया, विमला बाई सेठिया, संपत बाई सेठिया, मंजु पटवा एवं अंजु दुगड़ ने रा.अध्यक्ष एवं श्रीमान् जितेन्द्र जी कच्छारा का स्वागत किया। शासनश्री साध्वीश्री जी तथा सहवर्तिनी साध्वियों ने कांकरिया के श्रावक समाज के प्रति विशेष प्रमोद भावना प्रस्तुत की।

आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल उद्घाटन

जोधुपर – अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार शासनश्री साध्वी श्री चांदकुमारीजी के सान्निध्य में राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता व जेडीए चेयरमेन श्री महेन्द्र सिंह जी राठौड़, जोधपुर विधायक श्री कैलाश जी भंसाली, महापौर श्री घनश्याम ओझा, अतिरिक्त संभागीय आयुक्त श्रीमती वंदनाजी सिंघवी, एसीपी श्रीमती सीमा जी हिंगोनिया, एसीपी श्रीमती स्वाति शर्मा के विशिष्ट आतिथ्य में जोधपुर महिला मंडल ने आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल का लोकार्पण समारोह आयोजित किया। साध्वीश्री के मंगलपाठ से लोकार्पण समारोह का शुभारंभ हुआ। जोधपुर महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती कविता सुराणा ने स्वागत वक्तव्य दिया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा हमारा प्रथम दायित्व है और अ.भा.ते.म.मं. इसी उद्देश्य से देशभर में शाखा मंडलों के सहयोग से कन्या सुरक्षा के संदेश इन सर्किलों के माध्यम से जन-जन में प्रेषित कर रहा है। सर्किल प्रायोजक अ.भा.ते.म.मं. ट्रस्टी श्रीमती प्रियंका तातेड़, महासभा ट्रस्टी श्री दिलीपजी सिंघवी व श्रीमती ज्योति सिंघवी ने कहा कि सुरक्षा सर्किल कन्या सुरक्षा व उनके आत्मसम्मान का प्रतीक है।

समारोह में जोधपुर सभा अध्यक्ष श्री धनपत जी मेहता, सरदारपुरा सभा अध्यक्ष उम्मेदमलजी सिंघवी, तेयुप (शहर) अध्यक्ष श्री मुकेशजी चौधरी, तेयुप (सरदारपुरा) अध्यक्ष श्री सतीश जी बाफना, श्री मर्यादाजी कोठारी, समाजसेवी श्री कैलाशराजजी सिंघवी, श्री विनोद जी सिंघवी, श्री कुशालजी सांखला, श्री मितेशजी जैन, रा.का.स. श्रीमती चंदा कोठारी, श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा, पूर्व रा.का.स. श्रीमती कनकजी बैद, श्रीमती मौसमी तातेड़, श्रीमती सरिता कांकरिया सहित कई संस्थाओं के पदाधिकारी व गणमान्य सदस्यों के साथ जोधपुर मंडल की बहनों की अच्छी संख्या में उपस्थिति रही।

जयपुर- अ.भा.ते.म.मं. निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल जयपुर-सी-स्कीम द्वारा गुलाबी नगरी जयपुर के प्रमुख स्थान पर श्रीमती कमला देवी बुधिया सीनियर सेकेण्डरी स्कूल के सामने हाइवे पर आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा स्तम्भ का निर्माण किया गया एवं उसका लोकार्पण राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया व स्थानीय पार्षद श्रीमती राखी राठौड़ के द्वारा किया गया। मंडल की बहिनों द्वारा नमस्कार महामंत्र का उच्चारण व साध्वीप्रमुखाश्रीजी द्वारा रचित गीत ''गांधी के पुण्य वतन'' का संगान किया गया। मंडल अध्यक्ष श्रीमती सुशीला चौपड़ा ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री ने मंडल के कार्यों की प्रशंसा करते हुए स्तंभ के लोकार्पण पर बधाई प्रेषित की। पार्षद श्रीमती राखी राठौड़ ने मंडल को हर कार्य में सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया व शुभकामना प्रेषित की। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने भी मंडल को बधाई दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती सौभाग बैद, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा, रा.का.स. श्रीमती सुनीता बोहरा, श्रीमती मंजुला डूंगरवाल, श्रीमती सरिता दुगड़, हीरापुर स्कूल के प्रिंसिपल श्री सुरेन्द्र सिंहजी, तेयुप अध्यक्ष श्री संजय जी चौपड़ा, मंडल मंत्री श्रीमती कनक दुधोड़िया व मंडल की अनेक उत्साही बहनों की गरिमामयी उपस्थिति रही। स्तंभ के निर्माण में उपाध्यक्ष श्रीमती प्रेमजी व रीमा दुगड़ का विशेष सहयोग रहा। आभार ज्ञापन श्रीमती सुशीला नखत ने किया।

बढ़ते कदम

उन्नयन कार्यशाला

शासनश्री साध्वी चांदकुमारी जी व साध्वी वृंद के सान्निध्य में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में जोधपुर महिला मंडल द्वारा उन्नयन कार्यशाला का आगाज साध्वीश्रीजी के महामंत्रोच्चार द्वारा किया गया। प्रेरणा गीत द्वारा बहनों ने मंगलाचरण की सुंदर प्रस्तुति दी। मंडल अध्यक्ष श्रीमती कविता सुराणा ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हमें आध्यात्मिक विकास के लिए नई उड़ान भरनी है। रा.का.स. श्रीमती चंदा कोठारी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष का परिचय देते हुए कहा कि इतने विशाल महिला संगठन को नेतृत्व देने वाली हमारी राष्ट्रीय अध्यक्ष बहुमुखी प्रतिभा की धनी है। साध्वीश्री चांदकुमारी जी ने प्रेरणा पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि हमें अध्यात्म की ओर अग्रसर हो हर कार्य करना चाहिए। साध्वी श्री पल्लव प्रभाजी ने पाथेय प्रदान करते हुए कहा कि जितना ऊँचा लक्ष्य होगा हमारी उड़ान भी उतनी ही ऊँची होगी और वही हमारा उन्नयन की दिशा में बढ़ता कदम होगा। साध्वीश्री विवेकश्रीजी ने कहा कि लक्ष्य का निर्धारण ही हमें विकास की ओर ले जायेगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि संकल्पों से सपने साकार होते है। हमें संकल्पित हो अध्यात्म को अपनाकर उन्नयन की ओर अग्रसर होना है। रा.का.स. श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा ने बहनों को तपोमहायज्ञ आयंबिल अनुष्ठान से अधिक संख्या में जुड़ने की प्रेरणा दी। राष्ट्रीय ट्रस्टी प्रियंका तातेड़ ने सम्मान पत्र का वाचन किया। कार्यक्रम का सफल संचालन मंडल मंत्री श्रीमती मोनिका चोरड़िया व श्रीमती संतोष मेहता ने किया। श्रीमती आशा सिंघवी ने आभार ज्ञापन किया। जोधपुर महिला मंडल की बहिनों ने सक्रियता से इस कार्यशाला में भाग लिया व सफल बनाया।

सायं शनिवार की सामूहिक सामायिक के पश्चात् राष्ट्रीय टीम व स्थानीय पदाधिकारी जोधपुर से लगभग 20 कि.मी. दूर विश्नोई की ढाणी में शासनश्री साध्वी कमलप्रभाजी व साध्वी वृंद के दर्शनार्थ पहुँचे। साध्वी श्री को जोधपुर के कार्यक्रमों से अवगत करवाया तथा आगामी प्रोजेक्ट्स के लिए मार्गदर्शन प्राप्त किया।

टी.वी. चैनल 24 न्यूज़ पर राष्ट्रीय अध्यक्ष का साक्षात्कार

जोधपुर में 24 **News** चैनल पर रिपोर्टर भावना द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा का कन्या सुरक्षा सर्किल के उद्घाटन के अवसर पर **Interview** लिया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सर्किल की उपयोगिता व अ.भा.ते.म.मं. द्वारा सामाजिक व राष्ट्रीय क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए आगामी योजनाओं से भी अवगत कराया। इस अवसर पर राष्ट्रीय व स्थानीय पदाधिकारी भी मौजूद थे।

utthan

तुलसी का अवदान नारी का उत्थान

नारी जाति के पुनरुद्धारक आचार्य श्री तुलसी के 22 वें महाप्रयाण दिवस पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आयोजित विराट युवती सम्मेलन

दिनांक 30 जून, 1-2 जुलाई 2018

स्थान : नैतिकता का शक्तिपीठ, गंगाशहर

सम्मेलन के संदर्भ में पंजीकरण फार्म तथा ''महाप्राण गुरुदेव'' गायन प्रतियोगिता की नियमावली नारीलोक के अप्रैल माह के अंक में प्रकाशित की जा चुकी है। नियमावली के संदर्भ में संशोधन :

ऑडिशन के लिए रिकार्डिंग भेजने की अंतिम तिथि **05 जून 2018** है। रिकॉर्डिंग का ऑडियो या वीडियो (दो मिनिट का) विनित बोथरा – **09252405168** पर भेजें। किसी भी तरह की असुविधा होने पर **09887914000** पर संपर्क करें। रिकार्डिंग का ऑडियो या वीडियो ईमेल – **tulsigayan22@gmail.com** पर भी भेज सकते हैं।

बहनों ! हम अत्यंत सौभाग्यशाली है कि परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी ने महति कृपा करके आचार्य श्री तुलसी के महाप्रयाण दिवस को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा प्रतिवर्ष ''विसर्जन दिवस'' के रूप में मनाने की स्वीकृति प्रदान की है।

"महाप्राण गुरूदेव" गायन प्रतियोगिता

प्रथम चरण	द्वितीय चरण	तृतीय चरण	ग्रैण्ड फिनाले
ऑन लाईन ऑडिशन	सेमी फाईनल राउण्ड	फाइनल राउण्ड	01 जुलाई 2018
05 जून 2018 तक	30 जून 2018 प्रातः 10:00 बजे	30 जून सांय 07:30 बजे	सांय 08:00 बजे

(ऑडिशन के लिए रिकार्डिंग भेजने की अन्तिम तिथि 05 जून 2018)

नियमावली

प्रतियोगिता चार चरणों में सम्पन्न होगी।

A. **प्रथम चरण :** "ऑनलाइन ऑडिशन राउण्ड" – इस राउण्ड में प्रतियोगी को बिना वाद्य यंत्रों और बिना माइक (लाउडस्पीकर) के ही मोबाइल पर अपनी आवाज (एक मुखड़ा व एक अन्तरा 2 मिनट की समय सीमा के अन्दर) रिकार्ड करके ऑडियो/वीडियो हमारे वॉट्सअप नम्बर पर भेजें। (रिकार्डिंग में ही अपना पूरा नाम, पता व मोबाइल नम्बर शामिल किया जाना आवश्यक है)।

B. **द्वितीय चरण :** "सेमी फाइनल राउण्ड" – यह राउण्ड ऑनलाईन ऑडिशन में प्राप्त समस्त रिकार्डिंग्स में से चुने गये प्रतियोगियों के मध्य होगा। इनमें से सेमीफाइनल राउण्ड के लिए टॉप 10 प्रतियोगी चुने जाएंगे। (नैतिकता का शक्तिपीठ, गंगाशहर : रजिस्ट्रेशन 30 जून 2018 प्रातः 10 बजे से)

C. **तृतीय चरण :** "फाइनल राउण्ड"–यह राउण्ड सेमीफाइनल में से चुने गए 'टॉप 10' प्रतियोगियों के मध्य होगा। (आशीर्वाद भवन, गंगाशहर सायं 7:30 बजे, 30 जून 2018)

D. **ग्रैण्ड फिनाले :** इस राउण्ड में सेमीफाइनल में से चुने गए टॉप–3 फाइनलिस्ट मुकाबला करेंगे। (अणुव्रत मंच, गंगाशहर सायं 8:00 बजे 01 जुलाई 2018)

E. प्रतियोगिता निःशुल्क है, सभी जाति, वर्ग और सम्प्रदाय के भाई बहिन इस प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकेंगे।

F. प्रतियोगिता के सभी चरणों में प्रस्तुत किए जाने वाले **गीत सिर्फ और सिर्फ आचार्य तुलसी से सम्बन्धित ही होने चाहिए यानी कि आचार्य तुलसी द्वारा किसी भी विषय पर लिखे गीत अथवा किसी भी साधु, साध्वी, श्रावक–श्राविका या व्यक्ति स्वयं द्वारा गुरूदेव तुलसी को समर्पित गीत।**

G. सभी चरणों में निर्णय के आधार बिन्दु स्वर, लय–ताल, उच्चारण, भाव व प्रस्तुति रहेंगे।

H. ऑडिशन में से चुने गए सभी प्रतियोगियों को कम से कम चार गीत (मुखड़ा व दो अन्तरा) कण्ठस्थ होने चाहिए।

I. निर्णायकों का निर्णय अन्तिम व सर्वमान्य होगा।

मुख्य आकर्षण :सेमीफाइनल के लिए चयनित सभी प्रतियोगियों को प्रतिभागिता प्रमाणपत्र एवं उत्साहवर्द्धक पुरस्कार प्रदान किये जायेंगे।

1. प्रत्येक चरण में प्रमाणपत्र व पुरस्कार।
2. टॉप 10 फाइनलिस्ट में से 7 फाइनलिस्ट को प्रमाणपत्र व 2100/– रूपए नकद (प्रत्येक को) पुरस्कार। शेष टॉप–3 ग्रैण्ड फिनाले/महाफिनाले में पुरस्कृत होंगे।
3. टॉप–3 में से प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 21000/– रू नगद. प्रमाण पत्र व **'तुलसी आइडल'** के सम्मान से पुरस्कृत किया जाएगा। द्वितीय व तृतीय को प्रमाण पत्र, सील्ड व क्रमशः 15000/– व 11000/– नगद प्रदान किए जाएंगे।
4. प्रतियोगियों को अन्य प्रोत्साहन पुरस्कार भी प्रदान किए जा सकते हैं।

सम्पर्क सूत्र :

ऑडियो/वीडियो हेतु वाट्सअप नम्बर : विनीत बोथरा–09252405168, अध्यक्ष–09887914000

जैन लूणकरण छाजेड़	डॉ. पी.सी. तातेड़	जतनलाल दूगड़
अध्यक्ष	संयोजक	महामंत्री

आयोजक

आचार्य तुलसी शान्ति प्रतिष्ठान, गंगाशहर

बीकानेर–334401 (राज.)

दो दिवसीय गुजरात स्तरीय आंचलिक कन्या कार्यशाला 'पहचान'

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में दो दिवसीय गुजरात स्तरीय आंचलिक कन्या कार्यशाला ''पहचान'' का सफल आयोजन शासनश्री साध्वी चन्दनबालाजी, साध्वी लावण्यश्रीजी के सान्निध्य में प्रेक्षा विश्व भारती कोबा के प्रांगण में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अध्यक्षता में तेरापंथ महिला मंडल एवं कन्या मंडल अहमदाबाद द्वारा किया गया। जिसमें गुजरात के 18 क्षेत्रों से 250 कन्याओं ने अपनी सहभागिता दर्ज करवाई। गुजरात राज्य से समागत सभी कन्याओं एवं राष्ट्रीय टीम का स्वागत अहमदाबाद कन्या मंडल ने नई उमंग नई तरंग के साथ गुजराती गरबा के नए अंदाज से किया। गीतों की सुन्दर स्वर लहरी के साथ अपने दिल के भावों को कार्ड में सजाकर राष्ट्रीय टीम को अर्पित किया, साथ ही पहचान कार्यशाला लोगों की रंगोली बनाकर आगन्तुक अतिथियों को मंत्र मुग्ध किया।

प्रथम दिवस - उद्घाटन सत्र – पहचान की उजली भोर, बढ़े विकास की ओर

साध्वीश्री द्वारा नमस्कार महामंत्र के उच्चारण के साथ प्रथम सत्र का शुभारंभ किया गया। अहमदाबाद कन्या मंडल ने उत्साह के साथ साध्वी प्रमुखाजी के द्वारा रचित संकल्प गीत की मनमोहक प्रस्तुति दी। अहमदाबाद महिला मंडल एवं कन्या मंडल द्वारा स्वागत गीतिका का संगान एवं अध्यक्ष रेखाजी कोठारी द्वारा स्वागत उद्गार व्यक्त किये गए। बैनर का अनावरण राष्ट्रीय टीम एवं स्थानीय गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया। रा.का.स. अदिति सेखानी ने हर्ष एवं उल्लास के साथ अपने ही गृहक्षेत्र में पधारी राष्ट्रीय टीम का स्वागत किया। कार्यक्रम संयोजिका हेमलता परमार ने राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा, महामंत्री नीलम सेठिया, कन्या मंडल प्रभारी मधु देरासरिया, सहप्रभारी तरूणा बोहरा एवं कार्यसमिति सदस्य अदिति सेखानी का परिचय दिया। अहमदाबाद संस्था संरक्षिका रूपमदेवी बुरड़, मृदुलादेवी मांडोत, निवर्तमान अध्यक्ष पुष्पा जी सेठिया एवं सभा के पूर्वाध्यक्ष तथा पदाधिकारियों ने अतिथियों को कार्यशाला किट भेंट किया।

मुख्य अतिथि लीला बहिन अंकोलिया (महिला आयोग – चेयरपर्सन गुजरात राज्य) की विशेष उपस्थिति रही। प्रेक्षा विश्व भारती अध्यक्ष श्रीमान् बाबुलाल जी सेखानी, अ.भा.तेयुप उपाध्यक्ष मुकेश जी गुगलिया, ज्ञानशाला राष्ट्रीय संयोजक श्रीमान सोहन जी चौपड़ा ने अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। सभा, तेयुप, अणुव्रत समिति के पदाधिकारीगण एवं महासभा के कार्यसमिति सदस्य श्रीमान् नानालालजी कोठारी की गरिमामय उपस्थिति रही। सभी ने राष्ट्रीय टीम को शुभकामनाएं प्रेषित की। कन्या मंडल राष्ट्रीय प्रभारी ने कहा कि वार्षिक परीक्षा का समय होते हुए भी गुजरात में कन्याओं की यह शानदार उपस्थिति सराहनीय है। सहप्रभारी ने हर कदम पर विकास के पायदानों पर सफलता का परचम कैसे लहराए की जानकारी है। महामंत्री ने अपने ओजस्वी वक्तव्य के द्वारा कन्याओं को सुसंस्कारी बनने के साथ बदलते परिवेश में अपनी गरिमामय पहचान बनाने के लिए जागरूक किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने पहचान शब्द की पूरी परिभाषा एक-एक वर्णाक्षर के अनुसार अपने नए अंदाज के साथ समझाते हुए कन्याओं को उस रूप में अपनी पहचान बनाने का आगाज किया। साथ ही आचार्य श्री के जन्म दिवस पर 57000 आयम्बिल अनुष्ठान में जुड़ने एवं आचार्य श्री महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेन्टर निर्माण हेतु सकल समाज को आह्वान किया। शासनश्री साध्वीश्री चंदनबालाजी के मंगल उद्बोधन एवं आशीर्वचन के साथ सत्र सम्पन्न हुआ। कुशल संचालन मंत्री श्रीमती ममता संकलेचा एवं कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती लाडदेवी बाफना ने किया।

द्वितीय सत्र – एक नई पहचान, भरे भीतर की उड़ान

सत्र की शुभ शुरुआत तेरापंथ कन्या मंडल टीम द्वारा मंगल गीत से हुई। महामंत्री ने कन्याओं को प्रेरणा देते हुए कहा – जैसे एक दीपक हजारों दीपक को जला सकता है वैसे ही कन्याओं को भी अपनी आन्तरिक ऊर्जा से देश एवं समाज को आलोकित करना है। साध्वी श्री वर्धमानश्रीजी ने कन्याओं को दीर्घ श्वास प्रेक्षा व स्वर विज्ञान की महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। सहप्रभारी ने कन्याओं को प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। सत्र का संचालन तेरापंथ कन्या मंडल बारडोली ने किया।

तृतीय सत्र – धर्म शिक्षा और व्यवहार – पहचान का आधार

सर्वप्रथम मंगलगीतों की गुंजन तेरापंथ कन्या मंडल पर्वत पाटिया के प्रेरणादायी मंगल गीत के द्वारा हुई। कन्या मंडल प्रभारी ने प्रशिक्षण देते हुए कहा कि अगर हमें सफलता के मुकाम तक पहुँचना है तो जीवन में आध्यात्मिक एवं व्यवहारिक ज्ञान होना जरूरी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कन्याओं के हौंसले बुलन्द करते हुए कहा – कन्याओं को हर

परिस्थिति में हिम्मत रखना है। हिम्मत की कीमत है। कहीं पर भी जाओ मन से डर निकाल कर निर्भय होकर आगे बढ़ना है। साध्वीश्री राजश्री जी ने अपने प्रेरणादायी वक्तव्य से कन्याओं को आह्वान किया कि कन्याएं सामाजिक एवं आध्यात्मिक हर क्षेत्र में खूब विकास करती हुई अपनी अलग पहचान बनाए। सत्र का संचालन तेरापंथ कन्या मंडल कामरेज ने किया।

चतुर्थ सत्र – चले पहचान की ओर, ऑल राउन्डर बनने का दौर

सत्र के प्रारंभ में वातावरण को मंगलमय बनाया मंगलाचरण के द्वारा तेरापंथ कन्या मंडल चलथान ने कन्या मंडल सह प्रभारी ने खेल-खेल में रोचक अंदाज के साथ सामान्य ज्ञान एवं तत्वज्ञान का प्रशिक्षण देते हुए रोमांचकारी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। जिसमें सभी क्षेत्र की कन्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विशेष स्थान प्राप्त कन्याओं को सम्मानित किया गया। शनिवार की सामायिक में सभी ने सामूहिक पक्खी का प्रतिक्रमण किया।

पंचम सत्र – सांस्कृतिक कार्यक्रम A Spiring a New Me

एक नई पहचान कार्यक्रम की शुभ शुरुआत तेरापंथ कन्या मंडल सूरत की मंगल स्वर लहरी के साथ हुई। गुजरात के विभिन्न क्षेत्रों ने अलग-अलग पहचान के साथ अपनी शानदार प्रस्तुति दी – जैसे मां की पहचान, अपनी अपनी पहचान, परवाज एक उड़ान, चल मन जीतवा जइये, आर्मी प्रस्तुति, दो अच्छे दोस्त, मिमिक्री आदि विषयों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों को गरिमामय बनाया। अहमदाबाद, पर्वत पाटिया, सूरत, अमराईवाड़ी, बारडोली, कीम, लिम्बायत, उधना, डूंगरी, कामरेज, सचिन, वलसाड़, वापी, चलथान, नवसारी, गांधीधाम, बीजापुर, माणसा, बडौदा कन्या मंडल ने। कार्यक्रम का कुशल संचालन अहमदाबाद संयोजिका सुश्री दिव्या जैन एवं सह संयोजिका सुश्री भानुप्रिया कांकरिया ने किया।

द्वितीय दिवस - प्रथम सत्र – कन्याओं की सौरभ, बढ़ाएं देश का गौरव

इस सत्र में विशेष आकर्षण का केन्द्र बना – अहमदाबाद कन्या मंडल। जीवंत झांकियों के द्वारा नारी सशक्तिकरण की महक देखने को मिली। जहाँ अध्यात्म एवं रचनात्मक कला के साथ कन्याओं के व्यक्तित्व, कर्तृत्व एवं नेतृत्व की रश्मियों से सारा वातावरण आलोकित हो रहा था। अहमदाबाद कन्या मंडल संयोजिका सुश्री दिव्या मांडोत एवं उसकी टीम का श्रम एवं समर्पण भाव सराहनीय था। राष्ट्रीय टीम ने हर्ष विभोर भावों से कन्याओं को उनके भावी जीवन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की

द्वितीय सत्र – पहचान का विश्वास, कामयाबी का प्रयास

मंगल प्रस्तुति मंगलाचरण के द्वारा तेरापंथ कन्या मंडल वापी ने की। कन्या मंडल को **SMDP** विषय पर प्रस्तुति जलगाँव से समागत श्री उमेश जी सेठिया (**Ceo Santronix**) ने बताया – वर्तमान युग टेक्नोलोजी का युग है। आज इंटरनेट मानव मस्तिष्क पर हावी हो रहा है। मोबाईल के बढ़ते हुए उपयोग को कैसे सद्उपयोगी बनाएं उसका विशेष प्रशिक्षण प्रश्नावली पेपर के स्कोर के आधार पर दिया। अभातेममं एप की जानकारी बहिनों को दी और उससे जुड़ने का आह्वान किया। हमें इंटरनेट का उपयोग कब, कैसे और कितना करना है उसके लिए जागरूकता रखेंगे तो हम सुरक्षित रहेंगे। इंटरनेट का अति उपयोग बहुत ही हानिकारक है। इस सत्र में उधना कन्या मंडल ने मोबाईल के उपयोग पर दिल को छूने वाली प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन गांधीधाम कन्या मंडल ने किया।

समापन सत्र

रा.का.स. श्रीमती अदिति सेखानी ने इस सत्र का कुशल संचालन किया। राष्ट्रीय टीम द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी क्षेत्रों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में विजेता कन्याओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यशाला के सफल आयोजन हेतु राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुदजी कच्छारा ने अपनी टीम के साथ अहमदाबाद महिला मंडल को सम्मानित किया। **इस अवसर पर अहमदाबाद महिला मंडल ने भेंट स्वरूप 1 लाख रूपये का चेक ''भावना'' सेवा हेतु राष्ट्रीय टीम को प्रदान किया।** पहचान कार्यशाला की समायोजना में अहमदाबाद कन्या मंडल प्रभारी लाडजी बाफना एवं कन्या मंडल संयोजिका सुश्री दिव्या जैन और सह संयोजिका सुश्री भानुप्रिया कांकरिया एवं पूरी कन्या मंडल टीम का सहयोग रहा। कार्यक्रम संयोजिका लीलाजी सुराणा, हेमलता जी परमार, मीना जी कोठारी, संगीता जी बांठिया के साथ उपाध्यक्ष मनीताजी चौपड़ा एवं चांदजी छाजेड़ एवं सभी पदाधिकारीगण, परामर्शक एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यशाला आवास का सहयोग प्रेक्षा विश्व भारती कोबा ने किया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से आभार व्यक्त मधुजी देरासरिया ने किया एवं अहमदाबाद कन्या मंडल ने विशेष प्रस्तुति के द्वारा आभार ज्ञापन किया।

पूज्य प्रवर की सन्निधि में मनाई महावीर जयंती

रायगढ़ा – भगवान महावीर के प्रतिरूप महातपस्वी परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी की पावन सन्निधि में ओडिशा के ऊर्वर क्षेत्र रायगढ़ा में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा तथा महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने महावीर जयंती के कार्यक्रम में उपस्थित होकर अनंत आल्हाद की अनुभूति की। कार्यक्रम में तेरापंथ धर्मसंघ की समस्त सभा तथा संस्थाओं के पदाधिकारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। पूज्य प्रवर द्वारा इस ऐतिहासिक अवसर पर जैन एकता के संदर्भ में की गई घोषणा ने तेरापंथ धर्मसंघ की प्रभावना में चार चांद लगाये। पूरा समवसरण ओम अर्हम् की ध्वनि से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुद कच्छारा ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये।

उपासक शिविर सूचना

(दिनांक 2 से 12 अगस्त 2018)

परम पूज्य गुरुदेव के पावन सान्निध्य में एवं जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा के तत्वावधान में आगामी 2 से 12 अगस्त 2018 तक चेन्नई में उपासक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है।

नये उपासक बनने वालों के लिए

दिनांक 2 अगस्त को मध्यान्ह में प्रवेश परीक्षा आयोजित होगी। प्रवेश परीक्षा में चयनित भाई-बहनों को ही शिविर में प्रवेश दिया जा सकेगा। प्रशिक्षण के पश्चात् दिनांक 10 अगस्त को चयन प्रक्रिया (परीक्षा) होगी।

प्रशिक्षण कार्यशाला व सम्मेलन

दिनांक 10, 11 व 12 अगस्त 2018 को सभी उपासकों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला व सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इसमें सहयोगी एवं प्रवक्ता सभी उपासक भाग ले सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए उपासक श्रेणी के राष्ट्रीय संयोजक श्री डालिमचंद नौलखा, मो. 9327071376 व सह संयोजक श्री सूर्य प्रकाश श्यामसुखा मो. 9417944862 से संपर्क किया जा सकता है।

हंसराज बैताला, अध्यक्ष — **विनोद बैद ,** महामंत्री

नवगठित शाखामंडल अध्यक्ष मंत्री सूची

गुजरात

क्रम.	अध्यक्ष	मंत्री	स्थान
1.	श्रीमती वंदना नंगावत	श्रीमती प्रज्ञा मांडोत	वीजापुर
2.	श्रीमती स्नेहलता मेहता	श्रीमती बिंदु मेहता	मानसा
3.	श्रीमती मीना नौलखा	श्रीमती स्नेहलता चोरड़िया	हिम्मतनगर

कर्नाटक

1.	श्रीमती संतोष चावत	श्रीमती सीमा कटारिया	पांडवपुरा
2.	श्रीमती मंजु गन्ना	श्रीमती कांता ढक	श्रीरंगपट्टना

महाराष्ट्र

1.	श्रीमती वर्षा आंचलिया	श्रीमती वंदना आंचलिया	देवल

राजस्थान

1.	श्रीमती साधना मेहता	श्रीमती पुष्पा चपलोत	मावली
2.	श्रीमती लाडजी गोखरू	श्रीमती नीतू बाबेल	कपासन
3.	श्रीमती लाडदेवी खाब्या	श्रीमती संगीता बाफना	राशमी
4.	श्रीमती ललीता तलेसरा	श्रीमती संध्या जैन	बिजयनगर
5.	श्रीमती मिनाक्षी दुगड़	श्रीमती कमला दुगड़	फतेहनगर

सर्वश्रेष्ठ विचार

''क्या हम महिलाऐं वास्तव में सशक्त है ?''

प्रगति के द्वार पर दस्तक देने वाली आज की शक्तिस्वरूपा महिला 21 वीं सदी में नई आशाएँ, नये उत्साह के साथ विकास की दहलीज पर खड़ी नित नई संभावनाओं के स्वस्तिक उकेर रही है। आज महिला अपने श्रम व समय का सदुपयोग कर शक्ति का सम्यक् नियोजन कर रही है। यह उसके उदीयमान व सशक्त भविष्य का ही संकेत है।

अभी हाल में अ.भा.ते.म.मं. द्वारा किया गया '**We Can**' और वो भी इतने व्यापक रूप में - हजारों-हजारों महिलाओं का एक ही समय में, एक ही परिधान में एकजुट होना-फिर चाहे वो '**Say No Plastic**' के लिए हो या **"Save Envoirment"** के लिए हो - इसी बात का द्योतक है कि महिलाऐं वास्तव में सशक्त है। वास्तव में आज महिलाऐं स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ शक्ति सम्पन्न भी हो गई है। वे अपना निर्णय स्वयं लेने में सक्षम है। आज लोकसभा, विधानसभा, नगर-निगम, रेल्वे, सेना, ग्राम पंचायत और ऐसे ही अनेक क्षेत्रों में महिलाओं का दबदबा बढ़ता ही जा रहा है और ऐसे में 'क्या हम महिलाऐं वास्तव में सशक्त है ?'' इस प्रश्न पर प्रश्नचिन्ह लग जाता है।

महिलाओं के सशक्तिकरण का यह सिलसिला प्राचीन काल से चला आ रहा है 20वीं व 21वीं सदी के तो अनेकों उदाहरण हमारे समक्ष है। वैश्विक स्तर पर प्रत्येक क्षेत्र में कार्य कर महिलाओं ने अपने सशक्त होने का परिचय दिया है। अभी हाल ही में मुस्लिम समाज में व्याप्त तीन तलाक के विरूद्ध मुस्लिम महिलाओं ने अपनी शक्ति का जो मोर्चा खोला उसने तमाम मुस्लिम संगठनों को झकझोर कर रख दिया और आखिर सुप्रीम कोर्ट को महिलाओं के पक्ष में अपना निर्णय देना पड़ा। आज राजनैतिक पार्टियां भी 40 प्रतिशत आरक्षण महिलाओं को चुनावों में देती है।

आज महिलाओं में गजब की शक्ति, गजब का चातुर्य, अद्भुत वाक्शैली और अनंत क्षमताऐं हैं। उसने अपने हिस्से की जमीन तलाशी है और अपने ख्वाबों के आसमान को ढूंढ निकाला है। और इस तरह अपने इरादों को मजबूत रखते हुए डॉक्टर, टीचर, इंजीनियर आदि बनने के साथ-साथ घर-परिवार को ही नहीं, पूरे समाज व राष्ट्र को एक नई दिशा देने की शक्ति रखती है। चुनौतियों से जूझना व उसमें से राह निकालने की क्षमता उसमें है। आज महिला परिवार की समृद्धि, शिक्षा व सुरक्षा के लिए लक्ष्मी, सरस्वती व दुर्गा बनने की भी क्षमता रखती है। अंत में मैं महिला होने के नाते यही कहना चाहूंगी कि हमें अपनी गरिमा, अपनी अस्मिता को सुरक्षित रखते हुए तलहटी से शिखर तक की यात्रा करते हुए अपनी मंजिल पर आरोहण के मंगल स्वस्तिक ओर भी उकेरने है। इसी संकल्प के साथ

''जहाँ में अपनी जगह बनानी है, परंपराऐं भी निभानी है
अपनी तो एक कहानी है, आकाश छूना है, मंजिल पानी है''

-शांति बांठिया

''क्या हम महिलाऐं वास्तव में सशक्त है''

मार्च माह के उपरोक्त विषय पर 31 शाखा मंडलों से श्रेष्ठ विचार प्राप्त हुए। निम्न प्रतिभागियों के विचार सर्वश्रेष्ठ रहे -

प्रथम	-	श्रीमती शांति बांठिया, साउथ कोलकता
द्वितीय	-	श्रीमती कविता संचेती, डोंबीवली-मुम्बई
तृतीय	-	श्रीमती रोहिणी छाजेड़, दिल्ली
प्रोत्साहन	-	श्रीमती रेखा सुतरिया, अहमदाबाद श्रीमती जयश्री सिंघी, इस्लामपुर श्रीमती मेघा बोरड़, दुर्गापुर

आपकी लेखनी समीचीन विषयों पर सृजनात्मक चिंतन अभिव्यक्त करती रहे यही मंगलकामना।

दिशा - निर्देश

- बहनों, श्री उत्सव एवं होली आदि के सांस्कृतिक कार्यक्रम मूल्यांकन के अन्तर्गत मान्य नहीं किए जायेंगे।
- महिला मंडल के गणवेश की शालीनता बनाये रखें। ब्लाउज आदि को अधिक डिजाइनर और आधुनिक बनाने का प्रयास नहीं करें।
- पूज्य प्रवर की रास्ते की सेवा ''भावना'' के अंतर्गत सेवा करने के लिए आने वाली बहनें भी वेशभूषा का पूर्णतया ध्यान रखें। संस्था की गरिमा को बनाये रखें।

राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री द्वारा संगठन यात्रा

गुजरात

अ.भा.ते.म.मं. के निर्देशन में आयोज्य गुजरात स्तरीय कन्या कार्यशाला के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती मधु देरासरिया, सह प्रभारी श्रीमती तरूणा बोहरा एवं रा.का.स. अदिती सेखानी द्वारा अहमदाबाद व अमराईवाड़ी क्षेत्र की संगठन यात्रा की गयी। राष्ट्रीय टीम द्वारा शाखा सार संभाल के अंतर्गत मंडल की योजनाओं, रजिस्टर रखरखाव व आगामी योजनाओं की जानकारी दी गयी साथ ही प्रत्येक आयोजनों में अधिकतम संख्या में सहभागिता दर्ज कराने हेतु प्रेरणा दी गयी।

अहमदाबाद - गांधी की भूमि अहमदाबाद में ''उन्नति'' संगठन यात्रा का शुभारंभ प्रेरणा गीत व साध्वी प्रमुखाश्रीजी के मंगल संदेश के साथ किया गया। महामंत्री द्वारा पूछे गये संविधान संबंधित प्रश्नों के उत्तर अहमदाबाद मंडल की बहनों ने सहज व सटीक रूप से दिये। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने तपोमहायज्ञ आयंबिल अनुष्ठान, गंगाशहर में आयोज्य युवती सम्मेलन एवं जैन स्कोलर योजना में ज्यादा से ज्यादा संभागियों को जोड़ने का आह्वान किया। अहमदाबाद मंडल द्वारा आओ चले गाँव की ओर प्रोजेक्ट के अंतर्गत ग्यासपुरा गाँव को गोद लिया हुआ है एवं सिलाई केन्द्र भी संचालित है यह जानकारी दी गयी व अध्यक्ष श्रीमती रेखा कोठारी द्वारा मंडल की अन्य गतिविधियों की भी जानकारी दी गयी। संचालन रा.का.स. श्रीमती अदिती सेखानी ने किया एवं मंत्री श्रीमती ममता सकलेचा द्वारा आभार ज्ञापन किया गया।

अमराईवाड़ी - प्रथम बार राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन से अमराईवाड़ी क्षेत्र की बहनों में अत्यन्त हर्ष व उत्साह की भावना दिखाई दी। स्थानीय मंडल की बहनों ने प्रेरणागीत से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। अध्यक्ष श्रीमती रेखा चिपड़ ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत किया। सभा अध्यक्ष श्री दिनेशजी चंडालिया ने महिला मंडल के प्रति शुभकामना प्रेषित की। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सम्यकत्व को पुष्ट रखते हुए किस प्रकार संस्था के संगठन को मजबूत बनाकर कार्य किया जाये यह प्रेरणा दी। आयंबिल अनुष्ठान के लक्ष्य को पूरा करने में मंडल से सहयोग का आह्वान किया। स्थानीय बहनों ने लघु नाटिका प्रस्तुत की साथ ही प्रोजेक्टर पर मंडल की गतिविधियों को प्रस्तुत किया। इस अवसर पर स्थानीय सभा व तेयुप के अध्यक्ष उनकी टीम के साथ उपस्थित थे। स्थानकवासी संप्रदाय की बहनें भी उपस्थित थी। सत्र संचालन मंत्री श्रीमती सेजल मांडोत व आभार ज्ञापन सहमंत्री श्रीमती लक्ष्मी सिसोदिया ने किया।

भुज - अ.भा.ते.म.मं. की उन्नति संगठन यात्रा के अंतर्गत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने भुज में तेरापंथ भवन के लोकार्पण समारोह के पश्चात् भुज महिला मंडल की सारणा वारणा की। मंडल की बहनों ने मंगलाचरण किया। मंडल सहमंत्री श्रीमती नीता मेहता ने पूरे वर्ष में मंडल द्वारा किये गये कार्यों का ब्यौरा दिया। मंडल अध्यक्ष श्रीमती लता शाह व स्थानीय कार्यकारिणी सदस्यों ने आचार्य श्री महाश्रमणजी के 57वें जन्म दिवस पर 57000 सामायिक व 251 आयंबिल करने के संकल्प पत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष कों भेंट किये। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। रा.का.स. श्रीमती कांता तातेड़ ने बहनों को मंडल की App व डिजिटल माध्यम से जुड़ने की प्रेरणा दी। मुनिश्री डॉ. मदनकुमारजी ने भी बहनों को प्रेरणा पाथेय प्रदान किया। संचालन मंत्री श्रीमती अनीता मेहता ने किया।

राजस्थान-मोमासर - राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा व महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने मोमासर क्षेत्र में श्रीमान् सुरेन्द्रजी बोरड़ पटावरी द्वारा संचालित ग्राम विकास व जन कल्याणकारी योजनाओं का अवलोकन करने के पश्चात् मंडल की बहनों की सारणा – वारणा की। अध्यक्ष श्रीमती स्नेहलता पटावरी ने स्थानीय कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। राष्ट्रीय अध्यक्ष व महामंत्री ने बहनों को संस्था की योजनाओं व गतिविधियों से अवगत कराया तथा यथाशक्ति कार्यक्रमों को संपादित करने हेतु प्रेरणा दी।

मरूधर भूमि के विकास के लिए संचालित निःशुल्क चिकित्सा केन्द्र, कम्प्यूटर सेन्टर, स्कूल साथ ही हरित रखने हेतु वृक्षारोपण आदि प्रवृत्तियों को श्री दीपकजी सिंघी ने डिजिटल प्रेजेन्टेशन द्वारा विस्तारपूर्वक बताया। राष्ट्रीय अध्यक्ष

व महामंत्री ने श्री सुरेन्द्र जी बोरड़ के मानव कल्याणकारी कार्यों की प्रशंसा की। इस अवसर पर विशेष रूप से दिल्ली से पधारे श्री किशनलालजी पटावरी व श्री सुशील जी बाफना के साथ ही अनेक गतिवधियों पर विचार विमर्श हुआ। यह यात्रा बहु आयामी रही

छत्तीसगढ़-रायपुर - अ.भा.ते.म.मं. की अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा व महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने छत्तीसगढ़ संगठन यात्रा के अंतर्गत रायपुर शाखा मंडल की सार संभाल की। मंडल की बहनों ने सुमधुर गीत के साथ कुमकुम चावल से अतिथियों का स्वागत किया। स्थानीय उपाध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी धाड़ीवाल ने नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम की शुरूआत की। अध्यक्ष सौम्या जी लूंकड ने अपने स्वागत उद्‌बोधन में अपनी पूरी टीम से राष्ट्रीय नेतृत्व का परिचय करवाया। मंत्री श्रीमती प्रमिला भंसाली ने विगत गतिविधियों का संक्षिप्त ब्यौरा दिया। रा.का.स. श्रीमती सरिता बरलोटा ने साध्वी प्रमुखाश्रीजी के अमृत संदेश का वाचन किया। राष्ट्रीय महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने मंडल के संविधान की सारपूर्ण जानकारी दी व सभी को ये प्रेरणा दी कि हम अपनी ऊर्जा का सही अंकन कर ऊँचे मुकाम तक पहुँचे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि कोई भी संस्था एक परिवार होती है जहाँ हर कार्यकर्ता और हर सदस्य का दायित्व है कि वो अपने परिवार रूपी संस्था की गरिमा को बनाये रखें। आगामी कार्यक्रमों के अंतर्गत 24 अप्रैल को आयोजित आयंबिल तपोमहायज्ञ से सभी को जुड़ने की प्रेरणा दी। युवती सम्मेलन की संक्षिप्त जानकारी व तत्वज्ञ श्राविका बनने की पावन प्रेरणा भी दी। महामंत्री ने **LCTC** की रूपरेखा बताई। स्थानीय सभी संस्थाओं के पदाधिकारियों ने भी राष्ट्रीय नेतृत्व का स्वागत किया। कुमुद जी ने पूरे रायपुर समाज से अपील की ''दोनों हाथ एक साथ'' से हम काम कर आयंबिल तपोमहायज्ञ को सफल बनायें व अपने गुरु के प्रति सच्ची अभ्यर्थना व्यक्त करें। सहमंत्री श्रीमती ऋतु पोकरणा ने सभी का आभार व्यक्त किया। सफल संचालन श्रीमती राजकुमारी धाड़ीवाल ने किया।

गांधी धाम - राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा द्वारा भुज क्षेत्र में कार्यक्रम के दौरान उपस्थित गांधीधाम महिला मंडल की भी सारणा वारणा की गयी। राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में गांधीधाम की बहनों की गोष्ठी रखी गयी। मंत्री श्रीमती मंजु सिंघवी ने मंडल के द्वारा किये गये कार्यों की रिपोर्ट प्रस्तुत की गयी। अध्यक्ष श्रीमती सरोज सेठिया व बहनों ने 129 सामयिक पत्र व 25 आयंबिल की भेंट दी। साथ ही और अधिक आयंबिल करवाने की भावना व्यक्त की। रा.का.स. श्रीमती कांता तातेड़ व उपासक श्री अशोक भाई संघवी की गरिमामयी उपस्थिति रही।

महाराष्ट्र

''उन्नति'' संगठन यात्रा के अंतर्गत राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा ने खानदेश के क्षेत्रों की सारणा-वारणा की। इसी क्रम में रा.का.स. श्रीमती निर्मला चंडालिया, श्रीमती जयश्री जोगड़ ने मराठवाड़ा के क्षेत्रों की सार-संभाल की।

नासिक - साध्वीश्री निर्वाणश्री जी आदि ठाणा 6 के सान्निध्य में आयोजित होली चातुर्मास के कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में त्योहारों को आध्यात्मिकता का पुट देते हुए कैसे मना सकते हैं, इसके बारे में बताया। साध्वीश्री निर्वाणश्री जी ने आध्यात्मिक होली कैसे मनाएं और रंगों के ध्यान के विषय में बताया। कार्यक्रम में खानदेश सभा के अध्यक्ष श्री नानकराम जी तनेजा, मंत्री श्री सूरजमल जी सूर्या, तेयुप अध्यक्ष श्री सुरेश जी चोरड़िया आदि की गरिमामयी उपस्थिति रही। संचालन साध्वी श्री योगक्षेम प्रभाजी ने किया।

इस अवसर पर धुलिया, जलगाँव, चालीसगाँव, न्यायडोंगरी, मनमाड़ आदि अनेक क्षेत्रों का श्रावक-श्राविका समाज उपस्थित था। कार्यक्रम के बाद 13 क्षेत्रों के महिला मंडलों की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में रखी गई। आपने बहनों को संबोधित करते हुए संस्था के संविधान और योजनाओं से अवगत करवाते हुए आचार्य श्री महाश्रमण के 57 वें जन्मदिवस के उपलक्ष में 24 अप्रैल को आयोजित आयंबिल अनुष्ठान में सहभागी बनने का आह्वान किया।

मराठवाड़ा - मराठवाड़ा के क्षेत्रों में श्रीमती निर्मला जी ने संस्था के सातों रजिस्टरों व संविधान की जानकारी दी। श्रीमती जयश्री ने संस्था की चारों योजनाओं के बारे में बताया। स्थायी योजनाओं आचार्य महाश्रमण कन्या सुरक्षा सर्किल, आचार्य महाश्रमण फिजियोथेरेपी सेंटर के निर्माण की प्रेरणा दी। महातपस्वी, शांतिदूत आचार्यश्री महाश्रमण जी के 57 वें जन्मदिन

के अवसर पर 24 अप्रैल को आयोजित आयंबिजल अनुष्ठान और नारी जाति के उन्नायक, गणाधिपति गुरुदेव आचार्य श्री तुलसी के महाप्रयाण दिवस पर गंगाशहर में 30 जून से 2 जुलाई तक आयोज्य विराट युवती सम्मेलन में ज्यादा से ज्यादा सहभागी बनने का आहवान किया।

जयसिंहपूर - मुनिश्री जिनेश कुमारजी आदि ठाणा 2 के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम की शुरुआत प्रेरणा गीत के मधुर स्वरों के साथ हुई। मुनिश्री परमानंदजी ने संगठन की मजबूती के लिए ज्ञान, दर्शन और चारित्र की आवश्यकता बताई। मुनिश्री जिनेश कुमारजी ने मर्यादा, आस्था, विचारशीलता, क्रियाशीलता, गोपनीयता, मधुर व्यवहार को किसी भी संस्था की मजबूती और विकास के लिए जरूरी बताया। साध्वीप्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन तेममं इचलकरंजी उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा डागा ने किया और संस्था की योजनाओं की जानकारी दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा के संदेश को प्रस्तुत किया श्रीमती लीना घोड़ावत ने तथा आभार ज्ञापित किया ममता रूणवाल ने। स्वागत अध्यक्ष श्रीमती तारामणी बरड़िया ने किया।

औरंगाबाद - प्रेरणा गीत के साथ मराठवाड़ा के प्रथम क्षेत्र के कार्यक्रम का प्रारम्भ हुआ। अनेकता में एकता लिए हुए बहनों ने रा.का.स. का स्वागत किया। साध्वी प्रमुखाश्रीजी के मंगल आशीष का वाचन मंत्री श्रीमती सुनीता सेठिया ने किया। अपने शाखा मंडलों का सदैव उत्साहवर्धन करने वाले राष्ट्रीय नेतृत्व के विचारों को श्रीमती संगीता सुराणा ने प्रस्तुत किया। श्रीमती छाया नाहर ने आभार ज्ञापन किया। अध्यक्ष श्रीमती प्रभा सुराणा ने मंडल की गतिविधियों की जानकारी दी। सभा अध्यक्ष श्री अनिल नाहर मंत्री, श्री संजय सेठिया, तेयुप अध्यक्ष श्री पंकज सांखला, मंत्री श्री वीरेन्द्र मरलेचा आदि भी उपस्थित थे। आभार ज्ञापन श्रीमती संजुबाला सुराणा ने किया।

जालना - महिला मंडल की बहनों के सामूहिक प्रेरणा गीत के स्वरों से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। साध्वीप्रमुखाश्री जी के मंगल संदेश का वाचन श्रीमती सरिता सेठिया ने किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष के विचारों को श्रीमती उर्मिला पीपाड़ा ने प्रस्तुत किया। अध्यक्ष श्रीमती प्रमिला सेठिया ने सभी का स्वागत किया। पूर्व रा.का.स. अणुव्रत सेवी श्रीमती रतनी सेठिया ने भी अपने संगठन यात्रा के संदर्भ में अपने विचार रखे। मंत्री श्रीमती शैला सेठिया ने आभार ज्ञापन किया। सूत्र संचालन श्रीमती संगीता बोथरा ने किया। श्रीमती उषा सेठिया ने भी अभिव्यक्ति दी।

बीड – शासनश्री साध्वीश्री कैलाशवती जी आदि ठाणा 5 के सान्निध्य में संकल्प गीत के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। साध्वीप्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन श्रीमती भाग्यश्री पगारिया ने किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा के प्रेरक विचारों को श्रीमती मनीषा समदड़िया ने प्रस्तुत किया। अध्यक्ष श्रीमती राखी समदड़िया ने सभी का भावभरा स्वागत किया। साध्वीश्री शारदाप्रभाजी ने बताया की बीड में प्रथम बार केन्द्रीय कार्यकर्ता महिला मंडल की सार संभाल के लिए आये हैं जो कि सराहनीय है। संगठन को मजबूत बनाने में संगठन यात्रा की अहम् भूमिका होती है। साध्वीश्री पंकजश्रीजी, साध्वीश्री ललिप्रभाजी ने अपना मंगल पाथेय प्रदान किया और केन्द्र निर्देशित कार्यों के प्रति जागरूकता एवं तत्वज्ञान, तेरापंथ दर्शन की परीक्षाओं से जुड़ने की प्रेरणा दी। मंत्री श्रीमती ओझल समदड़िया ने आभार ज्ञापन किया। मंच संचालन श्रीमती सविता मरलेचा ने किया। सभा अध्यक्ष श्री खेमकरन समदड़िया एवं तेयुप सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

अंबाजोगाई - मराठवाड़ा का छोटा किन्तु उत्साही क्षेत्र है। मंगलाचरण से प्रारम्भ हुए कार्यक्रम में बहनों ने ''संगठन यात्रा आई आंगणा'' सुमधुर गीत से स्वागत किया। अध्यक्ष श्रीमती सरोज कातरेचा ने प्रमुखाश्रीजी का मंत्री श्रीमती मीना डागा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के संदेश का वाचन किया। श्रीमती मधु कालरेचा ने मंडल के कार्यों की जानकारी दी। आभार ज्ञापन उपाध्यक्ष श्रीमती सरला मरलेचा ने किया।

लातूर - प्रेरणा गीत के प्रेरक भावों के संगान के साथ कार्यक्रम शुरू हुआ। मंत्री श्रीमती रीना गटागट ने संदेश वाचन किया। अध्यक्ष श्रीमती विमला गटागट ने सभी का हार्दिक स्वागत किया एवं स्थानीय मंडल द्वारा किए गए कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया। आभार ज्ञापन डॉ. संगीता ने किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती कांता ने किया। सभा एवं तेयुप पदाधिकारियों की उपस्थिति आपसी प्रमोद भावना का परिचायक है।

जालना से लातूर तक की यात्रा में तेममं जालना अध्यक्ष श्रीमती प्रमिला व पूर्व रा.का.स. श्रीमती रतनी सेठिया का सहयोग रहा। सभी क्षेत्रों में बहनों की सराहनीय उपस्थिति रही।

गुजरात

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती मधु देरासरिया, रा.का.स. श्रीमती मंजु नौलखा एवं रा.का.स. श्रीमती निधि सेखानी द्वारा गुजरात के क्षेत्रों की संगठन यात्रा की गई। सभी क्षेत्रों में कार्यक्रम का शुभारम्भ नमस्कार महामंत्र से किया गया। प्रेरणा गीत द्वारा बहनों ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। सभी क्षेत्रों में साध्वी प्रमुखाश्री कनक प्रभाजी के संदेश का वाचन रा.का. स. श्रीमती मंजु नौलखा ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती मधु देरासरिया ने महिला मंडल व कन्या मंडल की गतिविधियों व आगामी योजनाएं 24 अप्रैल को आयम्बिल अनुष्ठान, 30 जून व 1, 2 जुलाई को युवती सम्मेलन तथा 31 मार्च को कन्या कार्यशाला के बारे में विशेष प्रेरणा दी एवं संस्था के रजिस्टर को किस प्रकार मेन्टेन (रखरखाव) करना है, कौन से रजिस्टर में क्या लिखना बहुत ही सरल व प्रभावी वक्तव्य द्वारा बहनों को अवगत कराया। सभी क्षेत्रों में कन्याओं की विशेष उपस्थिति रही तथा बहनों में अच्छा उत्साह था। बहनों ने कहा समय-समय पर आप सार-संभाल लेते रहे।

सिलवासा - महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती अल्का जी जामड़ ने सभी का स्वागत एवं आभार व्यक्त करते हुए अपने कार्य की रिपोर्ट प्रेषित की तथा संगठन यात्रा संयोजिका की शुभकामना श्रीमती निधि भण्डारी ने प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती महिमा चोरड़िया ने किया। पहली बार संगठन यात्रा के दौरान सिलवासा में राष्ट्रीय पदाधिकारियों के आगमन से बहनों में बहुत ही उत्साह था।

वलसाड़ - महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती शशि बोथरा ने सभी का स्वागत एवं आभार व्यक्त किया। वलसाड़ मंत्री श्रीमती मन्नू कोठारी ने सभी के प्रति आभार प्रेषित किया।

डूंगरी - महिला मण्डल अध्यक्ष श्रीमती रचना हिरण ने स्वागत के भावों के साथ ही अपने क्षेत्र में हुए कार्यों की संक्षिप्त रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। श्रीमती दिव्या माण्डोत ने अभिव्यक्ति दी। आभार ज्ञापन श्रीमती सीमा बोलिया ने किया।

चिखली - महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मधु गोखरू ने सभी का स्वागत किया। चिखली महिला मंडल का इस वर्ष ही गठन हुआ है नया क्षेत्र होने से बहनों में अच्छा उत्साह था।

नवसारी - महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मीना बोहरा ने सभी का स्वागत किया एवं कार्यक्रमों की जानकारी दी। श्रीमती इन्द्रा बेन टेबा ने मंडल के कार्यों की जानकारी दी। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती भावना कालिया ने किया।

वापी - संगठन यात्रा के दौरान वापी महिला मंडल द्वारा रेल्वे स्टेशन पर एक व्हील चेयर का अनुदान राष्ट्रीय कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती मधु देरासरिया, श्रीमती मंजु नौलखा एवं श्रीमती निधि सेखानी एवं वापी के सभी सभा संस्था के पदाधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। संगोष्ठी का प्रारम्भ प्रेरणागीत से किया गया। अध्यक्ष श्रीमती संगीता महनोत ने स्वागत किया एवं मंडल द्वारा किए गए कार्यों को प्रस्तुत किया। कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती करूणा वागरेचा संयोजिका सुश्री निमिशा कच्छारा ने भी अपने भाव व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मधु जी झाबक ने किया। सभी बहनों व कन्यामंडल की अच्छी उपस्थिति रही।

कर्नाटक

अभातेममं के निर्देशानुसार शाखा मंडलों की सार संभाल के तहत ''उन्नति'' संगठन यात्रा में पूर्व महामंत्री श्रीमती वीणा बैद व कर्नाटक प्रभारी श्रीमती सुधा नौलखा ने कर्नाटक के क्षेत्रों की यात्रा की। सभी क्षेत्रों में श्रीमती वीणा बैद ने बहनों को संविधान की जानकारी देते हुए रजिस्टर रख-रखाव, मीटिंग का नियोजन कैसे किया जाये, आदि के बारे में बताया। कन्या सुरक्षा सर्किल, फिजियोथैरेपी सेंटर के निर्माण की प्रेरणा भी दी। श्रीमती सुधा नौलखा ने संस्था की योजनाओं से अवगत करवाया और आगामी कार्यक्रमों 24 अप्रैल परमाराध्य आचार्य श्री महाश्रमण जन्मदिवस के उपलक्ष्य में

आयोजित ''आयंबिल अनुष्ठान'', ''57 सामायिक संकल्प'' नारी जाति के उन्नायक नवें आचार्य तुलसी के महाप्रयाण दिवस पर ''नैतिकता के शक्तिपीठ'' गंगाशहर में आयोजित विराट युवती सम्मेलन में सहभागी बनने हेतु बहनों को प्रेरणा दी।

नवगठित शाखा मंडल पाण्डवपुरा व श्रीरंगपट्टना - पाण्डवपुरा की बहनों के संघ संगठन के प्रति श्रद्धा को देखते हुए, विकास की संभावना संघ से जुड़कर कार्य करने से बढ़ जाती है, इस को मद्देनजर रखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अनुमति से महिला मंडल का गठन किया गया। सर्वसम्मति से श्रीमती संतोष चावत को अध्यक्ष, श्रीमती सीमा कटारिया को मंत्री बनाया गया। संस्था का बुलेटिन ''नारीलोक'' भेंट किया गया।

अभातेममं द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु जो कार्य किये जा रहे हैं, उनसे जुड़कर कार्य करने, संघ से इकतारी जुड़ी रहे इसी भावना से उत्प्रेरित **श्रीरंगपट्टना** की बहनों को तेरापंथ महिला मंडल के रूप में गठित किया गया। श्रीमती मंजू गन्ना को अध्यक्ष व श्रीमती कांता दक को मंत्री पद हेतु चयन किया गया। श्रीमती नम्रता मेहता ने आभार ज्ञापन किया।

हंसुर - यह एक छोटा किन्तु उत्साही क्षेत्र है। नारी लोक में निर्देशित कार्यों का सुचारू रूप से संपादन बहनों की जागरूकता व उत्साह को दर्शाता है। कार्यक्रम की शुरुआत प्रेरणा गीत से हुई। प्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन श्रीमती डिम्पल मारू ने, राष्ट्रीय अध्यक्ष के संदेश का वाचन श्रीमती संगीता बोहरा ने किया। अध्यक्ष श्रीमती चंदा बोहरा ने सभी का अभिवादन अभिनंदन किया। आभार ज्ञापन श्रीमती डिम्पल ने किया।

के.आर.नगर - यद्यपि यहाँ पर मंडल नहीं है किन्तु बहनों के केन्द्र से जुड़ाव व उत्साह को देखते हुए रा.का.स. यहाँ पहुँचे और बहनों का उत्साहवर्धन किया। श्री मदन बोहरा के यहाँ आयोजित कार्यक्रम में श्रीमती चेतना कोठारी व श्रीमती नीतू बोहरा ने केंद्रीय प्रेरणा से नारीलोक में निर्देशित कार्यक्रमों के सम्पादन का संकल्प लिया। कार्यक्रम में श्री भरत कोठारी, श्री सतीश चावत, श्री गौतम चावत, श्री पंकज बोहरा, श्री संतोष बोहरा आदि की उपस्थिति रही।

मंडिया - कन्या मंडल के मंगल स्वरों के साथ कार्यक्रम का प्रारंभ हुआ। महिला मंडल की बहनों के प्रेरणा गीत के संगान से बहनों में नये जोश का संचार हुआ। प्रमुखाश्रीजी के मंगल पाथेय का वाचन श्रीमती पुष्पा बाफना ने किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा के संदेश का वाचन श्रीमती किरण भटेवरा ने किया। अध्यक्ष श्रीमती किरण भंसाली ने स्वागतोद्गार व्यक्त किये। सभा अध्यक्ष श्री पारसमल गुन्देचा ने भी संगठन यात्रा के संबंध में अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर ''श्री उत्सव'' का उद्घाटन भी किया गया। पूनम बोहरा ने सुन्दर संचालन किया। श्रीमती डिम्पल भंसाली ने आभार ज्ञापन किया।

हासन - मंगलाचरण से शुरू हुए कार्यक्रम में साध्वीप्रमुखाश्रीजी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा, श्रीमती कनक बरमेचा के संदेश का वाचन क्रमशः श्रीमती ललिता सुराणा, पूर्वाध्यक्ष श्रीमती सूरज तातेड़, श्रीमती विनीता सुराणा ने किया। अध्यक्ष श्रीमती संतोष भंसाली ने सभी का स्वागत किया। रा.का.स. की प्रेरणा से सभा अध्यक्ष श्री फूलचंद जी तातेड़, मंत्री ढलीचंद जी भटेवरा ने फिजियोथेरेपी केन्द्र शुरु करने के लिए भवन में ही स्थान देने की घोषणा की। श्री महावीर भंसाली ने भी अपने विचार व्यक्त किये। सूत्र संचालन मंत्री श्रीमती संगीता कोठारी ने एवं आभार ज्ञापन उपाध्यक्ष श्रीमती सीमा तातेड़ ने किया।

सकलेशपुर - मंगलाचरण से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। श्रीमती निर्मला बाफना ने प्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन किया। श्रीमती समता बरलोटा ने गीतिका के द्वारा अपने भावों की अभिव्यक्ति दी। शाखा सार संभाल के दौरान रा.का.स. से पंजीकरण शुल्क संबंधित जानकारी प्राप्त कर वहां के मंडल ने 35 वर्षों से बकाया राशि जमा करवाई।

शिमोगा - श्रद्धा व उत्साह से सराबोर यह एक छोटा सा क्षेत्र है। गुरुदेव के दक्षिण पदार्पण का उत्साह जो यहाँ दिखाई दिया वह सराहनीय है। प्रेरणागीत से कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। श्रीमती सुनीता बाफना ने प्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन किया। श्रीमती पूनम जीरावला ने स्वागत वक्तव्य दिया। रा.का.स. ने बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

चिकमंगलूर - महिला मंडल के समवेत मंगल स्वरों के साथ कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। सहमंत्री श्रीमती प्रीति संकलेचा ने

साध्वी प्रमुखाश्रीजी के मंगल संदेश का वचान किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा के संदेश का वाचन पूर्व अध्यक्ष श्रीमती मंजू भंसाली ने किया। स्वागत श्रीमती करूणा ने किया। युवा बहनें आगे आकर अपनी कार्य क्षमता, कार्यशैली का परिचय दे और संगठन को मजबूत बनाये, यही भावना रा.का.स. ने व्यक्त की। सभा अध्यक्ष श्री सुरेन्द्र गोखरू, मंत्री श्री भरत बरलोटा, सहमंत्री गौतम आच्छा भी उपस्थित थे। आभार ज्ञापन श्रीमती अंजू गादिया ने किया।

नंजनगुड़ - प्रेरणा गीत के प्रेरक स्वरों के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। पूर्व अध्यक्ष श्रीमती तारा बोहरा ने सभी का स्वागत किया। साध्वीप्रमुखाश्रीजी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा के संदेश का वाचन क्रमशः श्रीमती प्रमिला भटेवरा, श्रीमती स्वीटी दक ने किया। रा.का.स. की प्रेरणा से बहनों में और अधिक निष्ठा, सक्रियता से कार्य करने की भावना जागृत हुई। कुशल मंच संचालन श्रीमती प्रमिला ने किया। श्रीमती पायल दक ने आभार ज्ञापन किया।

मैसूर - कर्नाटक यात्रा का अंतिम पड़ाव था टीपू सुल्तान की कर्मभूमि दर्शनीय स्थल मैसूर। कार्यक्रम प्रेरणा गीत के सुस्वरों से शुरु हुआ। श्रीमती रेखा पितलिया ने सभी का हार्दिक अभिनन्दन किया। साध्वी प्रमुखाश्रीजी के आशीर्वचनों का वाचन श्रीमती नूतन मेहता ने किया। बहनों में ऊर्जा का संचार करने वाले राष्ट्रीय अध्यक्ष के विचारों को श्रीमती कंचन बुरड़ ने सबके समक्ष प्रस्तुत किया। मैसूर में केन्द्र निर्देशित कार्य व्यवस्थित रूप से सम्पादित किये जा रहे हैं। फिजियोथेरेपी सेंटर को शुरू करने हेतु बहनों ने व्यक्तिगत अनुदान की घोषणा की। सभा अध्यक्ष श्री उत्तम भटेवरा ने भवन में ही जगह देने का आश्वासन दिया। श्रीमती सीमा देरासरिया ने कुशल मंच संचालन किया। आभार ज्ञापन श्रीमती मीनाक्षी नोलखा ने किया। श्रीमती वंदना दलाल ने भी विचार प्रस्तुत किये।

मध्यप्रदेश

झकनावद - अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती प्रभाजी घोड़ावत एवं इन्दौर महिला मंडल की निवर्तमान अध्यक्ष श्रीमती सुमनजी दुगड़ द्वारा साध्वी श्री कीर्तिलताजी ठाणा 4 के सान्निध्य में झकनावद की संगठन यात्रा की गई। कन्या मंडल व पेटलावद, झाबुआ, रायपुरिया व करवड़ की बहनें भी काफी संख्या में उपस्थित हुई। कार्यक्रम की शुरुआत नमस्कार महामंत्र के उच्चारण द्वारा की गई। पेटलावद की श्रीमती रेखा पालरेचा ने प्रेरणा गीत का संगान किया। झकनावद अध्यक्ष श्रीमती शांता जी कोटडिया ने सबका आत्मीय स्वागत किया। साध्वी श्री शान्तिप्रभाजी ने साध्वी प्रमुखाश्रीजी के उर्ज्जावान संदेश का वाचन कर बहनों को जागृत किया। झकनावद की श्रीमती प्रीति बोहरा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा के संदेश का वाचन किया। राष्ट्रीय प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती प्रभाजी ने केन्द्र की चारों परियोजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए बहनों की जिज्ञासाओं का समाधान किया। सामायिक संकल्प पत्र एवं 24 अप्रैल को आंयबिल करने की प्रेरणा भी दी।

जून माह में गंगाशहर में आयोजित युवती सेमिनार को सफल बनाने हेतु ज्यादा से ज्यादा युवतियों को संभागी बनने का आह्वान किया। श्रीमती सुमनजी दुगड़ ने संविधान एवं सातों रजिस्टर के बारे में बहुत सुंदर ढ़ंग से जानकारी दी। साध्वी श्री कीर्तिलताजी ने संस्था के विकास एवं संगठन में शक्ति विषय पर बहुत सरल एवं सुन्दर ढंग से प्रकाश डालते हुए संस्था के सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को उत्साह एवं जागरूकतापूर्वक कार्य करने हेतु प्रेरणा दी। 15 मिनट प्रभाजी एवं सुमनजी ने सभी क्षेत्रों की समस्याओं व जिज्ञासाओं का समाधान दिया। अंत में आभार ज्ञापन मंत्री ममता कासवा ने किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन श्रीमती मोना कालिया ने किया।

तमिलनाडु

''उन्नति'' संगठन यात्रा के दौरान महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया ने रा.का.स. सदस्यों श्रीमती सुनीता बोहरा, श्रीमती मंजुला डूंगरवाल, श्रीमती सरिता दुगड़ के साथ शाखा मंडलों की सारणा-वारणा की। महामंत्री ने अपने ओजस्वी वक्तव्य में बहनों को संस्था की चारों योजनाओं के साथ साथ **LCTC** की विस्तृत जानकारी प्रदान की। 24 अप्रैल को तेरापंथ के सरताज आचार्य श्री महाश्रमण जी के 57 वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में आराध्य को तपोपहार भेंट करें इस भावना के साथ एक दिन एक साथ एक समय आयोजित ''आयम्बिल तपोमहायज्ञ'' में सहभागी बनने का आह्वान किया। नारी जाति के

संगठन यात्रा

उन्नायक तेरापंथ के नवैं आचार्य श्री तुलसी के महाप्रयाण दिवस पर नारी शक्ति द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित करने हेतु ''नैतिकता की शक्ति पीठ'' गंगाशहर में 30 जून से 2 जुलाई तक आयोजित विराट युवती सम्मेलन में भाग लेने की प्रेरणा दी।

कोयंबतूर - प्रेरणा गीत के द्वारा कार्यक्रम की शुरूआत हुई। अध्यक्ष श्रीमती मधु बांठिया ने सभी का भावभरा स्वागत किया। मंत्री श्रीमती मोनिका लूनिया ने संदेश वाचन के पश्चात् मंडल की गतिविधियों के बारे में बताया। श्रीमती निकिता बांठिया ने सूत्र संचालन किया।

ईरोड़ - प्रेरणा गीत के साथ प्रारम्भ हुए कार्यक्रम में अध्यक्ष श्रीमती वीणा भूतोड़िया ने सभी का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। मंत्री श्रीमती पिंकी भंसाली ने अपनी हर्षानुभूति को व्यक्त करते हुए इस संगठन यात्रा को शाखा मंडलों के लिए उर्जादायी बताया व आभार ज्ञापन किया।

सेलम - मंगल स्वरों के साथ सेलम में संगठन यात्रा के कार्यक्रम का प्रारम्भ हुआ। अध्यक्ष श्रीमती उच्छव डूंगरवाल ने सभी का हार्दिक स्वागत अभिनन्दन किया। मंत्री शालिनी लुंकड़ ने साध्वी प्रमुखाश्रीजी, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा के संदेश का वाचन किया और केन्द्र निर्देशित कार्यक्रमों के सम्पादन के बारे में जानकारी प्रदान की एवं कुशल मंच संचालन किया। संगठन यात्रा के दौरान महामंत्री श्रीमती नीलम सेठिया अपनी सहयोगी बहनों के साथ तिरूपुर में साध्वी श्री प्रज्ञाश्री आदि ठाणा-4 के दर्शन कर प्रेरणा पाथेय प्राप्त किया।

शिवकाशी - तमिलनाडु संगठन यात्रा के इस क्रम में उपाध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने भी शाखा सार सम्भाल का कार्य किया। नमस्कार महामंत्रोच्चार के साथ शुरू हुए इस कार्यक्रम में मंत्री श्रीमती रानी बरडिया ने सभी का स्वागत किया। श्रीमती संपत डागा ने प्रमुखाश्रीजी के मंगल संदेश का वाचन किया। श्रीमती सज्जन डागा ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा के विचारों से बहनों को अवगत करवाया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष ने अपने वक्तव्य से बहनों का जोश बढ़ाते हुए कहा कि व्यक्ति के हौंसले बुलंद होने चाहिए। सफलता खुद बखुद मिल जाती है।

''उन्नति'' के आगे के क्रम में रा.का.स. श्रीमती सुनीता बोहरा, श्रीमती सरिता दुगड़ ने भी और क्षेत्रों की सार संभाल की। सभी क्षेत्रों में संवैधानिक व योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

तिरुकलिकुण्डरम - प्रेरणा गीत के साथ प्रारम्भ हुए कार्यक्रम में अध्यक्ष श्रीमती सरोज दुगड़ ने सभी का स्वागत किया। मंत्री श्रीमती शकुन्तला वरोड़ा ने संदेश वाचन किया और गतिविधियों की जानकारी दी। श्रीमती सीमा मरलेचा ने सुन्दर मंच संचालन किया।

कांचीपुरम - अध्यक्ष श्रीमती उषा बोहरा ने केन्द्र के प्रतिनिधियों का स्वागत किया व अध्यक्षीय विचार रखे। मंत्री श्रीमती ममता धोका ने मंडल संपादित कार्यक्रमों के बारे में बताया।

ताम्बरम - मुनिश्री ज्ञानेन्द्र कुमार जी आदि ठाणा 5 के सान्निध्य में आयोजित कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रेरणा गीत के साथ हुआ। अध्यक्ष श्रीमती राजकुमारी मुथा ने प्रमुखाश्रीजी के संदेश वाचन के बाद सभी का अभिनन्दन किया। श्रीमती सुशीला गांधी ने संगठन यात्रा को उपयोगी बताते हुए आभार ज्ञापन किया।

पल्लावरम - शासनश्री साध्वी श्री विद्यावतीजी आदि ठाणा 5 के मंगल सान्निध्य में मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अध्यक्ष श्रीमती प्रियंका कटारिया ने अपने स्वागतोद्गार व्यक्त करते हुए संदेश वाचन किया और इस यात्रा को संस्था में प्राण भरने वाली यात्रा बताया। मंत्री श्रीमती सरिता मरलेचा ने साध्वीश्रीजी के सान्निध्य को अपना सौभाग्य बताया और सभी का आभार ज्ञापित किया।

राजस्थान

गजपुर (मेवाड़) - अखिल भारतीय महिला मंडल के निर्देशन में मुनिश्री धर्मेशकुमारजी, मुनिश्री विनोदकुमारजी एवं मुनि श्री यशवंत कुमार जी के सान्निध्य में मेवाड़ प्रभारी डॉ. नीना कावड़िया ने आयोजित संगोष्ठी का प्रारंभ प्रेरणा गीत से

किया गया, प्रमुखाश्रीजी, अध्यक्ष जी के संदेश वाचन के बाद महिला मंडल की सभी योजनाओं की जानकारी दी, रजिस्टर के बारे में, क्षेत्र के अनुसार नारीलोक के कार्यों को करने की बात कही, गजपुर छोटा क्षेत्र है सभी बाहर रहते हैं फिर भी जो बहनें उपस्थित थीं उनमें अच्छी भावना थी। संगोष्ठी में युवा गौरव श्री पदमचंदजी की विशेष उपस्थिति रही, उन्होंने कहा कि बहनें बड़ी चिंतनशील हैं बड़ी मेहनत और लगन के साथ काम कर रही हैं। गुरु इंगित आराधना करते हुए आगे बढ़ती रहे।

मुनि श्री यशवंत कुमारजी ने फरमाया कि बहनें बहुत अच्छा काम कर रही है पर मुझे तो सबसे अच्छा काम तत्व ज्ञान वाला लगा सबके प्रति आध्यात्मिक मंगल कामना की। गजपुर अध्यक्ष ने स्वागत एवं आभार करते हुए कहा कि हम बाहर रहते है फिर भी यहाँ आते रहते हैं। हम हमारो क्षेत्र के अनुसार कार्य करने के पूरे प्रयास करेंगे। इस अवसर पर राजनगर कन्या मंडल प्रभारी मीनाजी नवलखा, पूर्व अध्यक्ष देवबाला जी चपलोत, प्रतिभा जी बोहरा, लक्ष्मी जी मेहता आदि कई बहनें उपस्थित थी।

बिजयनगर मंडल का गठन - अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के राष्ट्रीय ई मीडिया संयोजिका श्रीमती नीतू ओस्तवाल, रा.का.स. श्रीमती नीना कावड़िया ने शासन श्री मुनि श्री सुरेश कुमारजी ''हरनावां'' के सान्निध्य में संगठन यात्रा के तहत बिजयनगर क्षेत्र की बहनों की संगोष्ठी की। बिजयनगर श्रद्धावान क्षेत्र है, और बहनों में कार्य करने का उत्साह है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा की अनुमति से वहां मंडल गठन करने के उद्देश्य से सभी जानकारी प्रदान की। संगोष्ठी में रा.का.स. ने अ.भा.ते.म.मं. की चारों योजनाओं व कन्या सुरक्षा सर्किल, फिजियोथेरेपी सेन्टर जैसी बहुआयामी परियोजना की जानकारी दी। साथ ही आचार्य श्री महाश्रमण जी के 57 वें जन्म दिवस पर 57000 आयंबिल योजना में सहभागिता के लिए आह्वान किया।

अभातेममं की सदस्यों से प्रेरणा पाकर, बिजयनगर में मंडल गठन करने का निर्णय लिया व दिनांक 1 जुलाई को अपर जिला मजिस्ट्रेट श्रीमती मेघनाजी जैन ने बिजयनगर मंडल की पहली अध्यक्ष के रूप में श्रीमती ललिता तलेसरा को शपथ दिलाई व श्रीमती संध्याजी जैन को मंत्री नियुक्त किया।

कोटा - स्मार्ट सिटी कोटा में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ट्रस्टी एवं पूर्व अध्यक्ष सौभाग बैद ने संगठन यात्रा के तहत अभातेममं द्वारा सम्पादित धार्मिक एवं सामाजिक सेवा कार्यों की जानकारी दी, बच्चों एवं परिवार को धर्म एवं सेवा से जोड़ने की प्रेरणा दी। संगठन विभाग की राष्ट्रीय सह संयोजिका श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा ने मंडल द्वारा करणीय कार्य, संवैधानिक जानकारी और पूज्यप्रवर की पावन प्रेरणा से होने वाली तत्वज्ञान, तत्वज्ञान तेरापंथ दर्शन, जैनस्कोलर आदि विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम की शुरुआत मंडल की सदस्यों ने प्रेरणा गीत से की। पूर्व अध्यक्ष कुसुम दुगड़ ने साध्वी प्रमुखाश्रीजी का, श्रीमती प्रमिला दुगड़ ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कुमुद कच्छारा एवं श्रीमती रचना सेठिया ने राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती कनक बरमेचा के संदेश का वाचन किया। अपने स्वागत भाषण में कोटा तेरापंथ महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती मंजू सुराणा ने कहा पदाधिकारियों के आगमन से मंडल में नवीन रक्त का संचार हुआ है। कोटा महिला मंडल ने केन्द्र द्वारा निर्देशित कार्यक्रम के संपादन की जानकारी दी। सभा अध्यक्ष श्री संजय बोथरा ने अतिथियों का स्वागत करते हुए महिला मंडल द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। अणुव्रत महासमिति नई दिल्ली के आंचलिक प्रभारी श्री धर्मचंद जैन ने कहा महिलाऐं ठान ले तो अतिशीघ्र ही नशा मुक्त समाज का निर्माण कर सकती है। अंत में मंत्री श्रीमती हेमलता जैन ने पधारे हुए सभी अतिथियों का आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम का सफल एवं कुशल संचालन श्रीमती शिखा बाफना ने किया।

बंगाल

अखिल भारतीय महिला मंडल के तत्वावधान में बंगाल प्रान्त की संयोजिका डॉ. पुखराज सेठिया, रा.का.स. श्रीमती लता गोयल, श्रीमती लीना दुगड़ एवं साउथ कोलकता मंडल मंत्री श्रीमती वीणा श्याम सुखा द्वारा दुर्गापुर, बर्द्धमान, घुसकुरा, सेंथिया, हिन्दमोटर, रिसड़ा, उत्तरपाड़ा, बेहाला, पूर्वांचल आदि क्षेत्रों की संगठन यात्रा की गई। केन्द्र के निर्देशानुसार सभी क्षेत्रों में कार्यक्रम का प्रारंभ नमस्कार महामंत्र से किया गया तत्पश्चात् क्षेत्रीय बहिनों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान हुआ। राष्ट्रीय कार्य समिति सदस्यों द्वारा साध्वी प्रमुखाश्रीजी के संदेश का वाचन राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमुदजी की शुभकामना एवं

संगठन यात्रा

राष्ट्रीय संगठन यात्रा प्रभारी श्रीमती कनक बरमेचा के विचारों को प्रेषित किया गया। रा.का.स. सदस्यों ने क्षेत्रों में चारों योजनाओं को विस्तारपूर्वक समझाया, आयंबिल अनुष्ठान, सामायिक महायज्ञ, पक्खी प्रतिक्रमण एवं विराट युवती सम्मेलन हेतु विशेष प्रेरणा दी। रजिस्टर रख-रखाव की भी जानकारी दी तथा शाखा सार संभाल प्रश्नावली से क्षेत्रों की जानकारी हासिल कर उनकी समस्याओं का समाधान दिया एवं मंडल सुचारू रूप से चलाने हेतु सुझाव दिये।

दुर्गापुर - मंडल अध्यक्ष श्रीमती सरिता कोठारी ने समागत पदाधिकारियों का सम्मान करते हुए कहा कि हम चारित्रात्माओं के विहार में रास्ते की सेवा का विशेष लाभ उठाते हैं। मंत्री अमिता जैन ने गति-प्रगति विवरण रखा। तत्वज्ञान में दक्षता रखने वाली बहिनें यहाँ बहिनों का तत्वज्ञान सिखाती है। महिला मंडल ने मुक्त विद्यालय में दो छात्राओं के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की।

बर्द्धमान-घुसकुरा - साध्वी श्री स्वर्णरेखाजी के सान्निध्य में संगोष्ठी रखी गई जिसमें बर्द्धमान एवं घुसकुरा की बहिनें उपस्थित थी। बर्द्धमान में बहिनों की सदस्य संख्या काफी कम है। साध्वीश्री ने फरमाया कि अभी हमारा यहाँ 10 दिनों का प्रवास है और हम भी महिलाओं को संस्था से जुड़ने की प्रेरणा देने का भाव रखते है। बर्द्धमान की रीना डागा ने कार्यक्रम का संचालन किया घुसकुरा से वीणा मरोठी एवं नयनतारा मरोठी आये।

सेंथिया - बंगाल प्रान्त का अति उत्साही, जागरुक एवं सतत प्रगतिशील क्षेत्र है सेंथिया महिला मंडल। 110 बहिनों का सशक्त संगठन। ऋषभ मंदिर में शाखा सार संभाल का आयोजन हुआ। जिसमें सभा के अध्यक्ष गौतमजी पुगलिया, युवक परिषद् मंत्री सौरभजी पुगलिया, सभा सदस्य मनोज बोथरा, राजकुमारजी पुगलिया उपस्थित थे। मंत्री श्रीमती सुमन आंचलिया ने कार्यक्रम का सुंदर संचालन किया। अध्यक्ष सुनीता छाजेड़ ने बहिनों के सहयोग की सराहना करते हुए कहा केन्द्र के हर कार्य को हम शिरोधार्य करके उसे सफल संपादन का लक्ष्य रखते हैं।

हिन्दमोटर - साध्वीश्री डॉ. पीयूषप्रभाजी ने नमस्कार महामंत्र से कार्यक्रम का शुभारंभ करवाया। हिन्दमोटर की अध्यक्ष श्रीमती संगीता बोथरा, मंत्री श्रीमती सरोज पींचा, कोषाध्यक्ष बबिता पारख एवं ज्ञानशाला प्रशिक्षिका डॉ. प्रेम सेठिया एवं अनेक बहनों की अच्छी उपस्थिति रही। उसी दिन सीखें प्रतिक्रमण की कार्यशाला भी रखी गई। पुखराज सेठिया ने बहनों की जिज्ञासाओं एवं प्रश्नों का समुचित समाधान देकर उन्हें आश्वस्त किया। बहुत स्नेह एवं सौहार्दमय वातावरण में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। संविधान की जानकारी विशेष रूप से दी गई एवं उसकी अनुपालना करने के लिए प्रेरित किया।

रिसड़ा - इस क्षेत्र में बहुत कम संगठन यात्रा हो पाई है अध्यक्ष श्रीमती मीनू जैन ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हम नवयुवतियों को हम जोड़ना चाहते हैं अतः हमारा मार्गदर्शन करें। उन्हें सुझाव दिया गया कि युवती बहन को संयोजिका बनाएं जो समय एवं सुविधा से कार्यक्रमों की संयोजना करें। मंत्री श्रीमती विनोद दुधोड़िया ने भावपूर्ण कविता के साथ आभार ज्ञापन किया।

उत्तरपाड़ा - कोलकाता के समीप उत्तरपाड़ा क्षेत्र में केन्द्र के सभी कार्य व्यवस्थित रूप से संपादित किए जाते हैं। शाखा सार संभाल हेतु पदाधिकारी पहुँचे तो भवन में व्यवस्थित कार्यक्रम का संपादन उनकी सूझबूझ एवं सुगढ़ता का परिचय दे रहा था। सरलमना अध्यक्ष श्रीमती कमला पटावरी, मंत्री श्रीमती सुधा नाहटा सदैव सभी सहयोगी बहनों को साथ लेकर चलते हैं। होली की शुभकामनाओं के आदान-प्रदान के साथ कार्यक्रम की परिसंपन्नता हुई।

होली चातुर्मासिक पक्खी प्रतिक्रमण संशोधन

क्र.	क्षेत्र	प्रतिक्रमण संख्या	क्र.	क्षेत्र	प्रतिक्रमण संख्या
1.	धोईन्दा	25	6.	मंडिया	25
2.	यशवंतपुर	80	7.	गंगावती	18
3.	राजाजी नगर	70	8.	गदग	30
4.	मैसूर	63	9.	बहरामपुर	25
5.	हसन	28			

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर देशभर में आयोजित
महिला सशक्तिकरण रैली
ने रचा विश्व कीर्तिमान

संशोधित सूची

प्रांत : बिहार

क्रम.सं.	क्षेत्र का नाम	अन्य संगठन संख्या	कुल महिला संख्या	विशेष उपस्थिति
1.	गुलाबबाग	5	142	एडवोकेट श्रीमती कुसुम संचेती, रा.का.स. श्रीमती सीमा बैद, महासभा सहमंत्री श्री नेमचन्दजी बैद, गुलाबबाग सभाध्यक्ष श्री नौरतन जी कुंडलिया, गुलाबबाग तेयुप अध्यक्ष श्री रूपेश जी डूंगरवाल, ज्ञानशाला प्रभारी श्री मनोजजी पुगलिया।
2.	पूर्णीया	2	52	वार्ड परिषद् – सरिता राय, मेयर श्रीमती विभा कुमारी
3.	अररिया आर एस	2	46	वार्ड परिषद् श्रीमती मीरा देवी, पूर्व वार्ड परिषद् श्रीमती सुलोचना देवी
4.	अररिया कोर्ट	1	35	नेपाल बिहार उपाध्यक्ष श्री भैरूदान जी भूरा
5.	खुश्की बाग	4	100	थाना प्रभारी – माधुरी कुमारी, वार्ड परिषद् श्री अमित जी, राजकुमार यादव
6.	चास बोकारा	2	19	मारवाड़ी महिला समिति कार्यकारिणी सदस्य
7.	कटिहार	2	68	ने.वि. अध्यक्ष श्री अभय जी पटावरी, मंत्री– श्री राजेश जी पटावरी, कटिहार सभा के मंत्री, युवक परिषद्
8.	भागलपुर	1	20	महासभा अध्यक्ष श्री हंसराज जी बेताला, कोषाध्यक्ष श्री उज्जैन जी मालू
9.	किशनगंज	5	127	थाना प्रभारी श्रीमती महाश्वेता सिंह, निवर्तमान चेयरमेन श्रीमती आरती जैन, दि. त्रिलोक जी जैन, बी.एस.एफ. कमा. स्थानीय अणुव्रत समिति अध्यक्ष श्रीमती संतोष दुगड़, सभाध्यक्ष श्री चैनरूप जी दुगड़
10.	पटना जंक्शन	5	75	बीजेपी सांसद किरण घेई, हाईकोर्ट जज श्री रंजीत सिंह सहाय, रा.का.स. श्रीमती शशि बोहरा
11.	पटना सिटी	5	71	वार्ड परिषद् श्रीमती कांति देवी, तरूणा राय, पतंजलि पटना जिलाध्यक्ष
12.	फारबिसगंज	5	80	सभाध्यक्ष श्री शांतीलाल जी चंडालिया, नेपाल बिहार के कोषाध्यष श्री मनोज भंसाली, ज्ञानशाला प्रभारी श्री धर्मचन्द श्रीमाल, चेयरमेन श्रीमती सुनिता जैन, पूर्व अ.भा.ते.म.मं. संतोष श्रीमाल
13.	कांटाबाजी	---	---	श्रीमती कुसम राय चेयर पर्सन महिला आयोग, श्रीमती रत्नू माझी सब इंस्पेक्टर

प्रांत : पश्चिम बंगाल

1.	साउथ कोलकत्ता	7	---	जिनदत्त सूरी महिला मंडल फिक्की जे.आई.डब्ल्यू.ओ. श्रीमती चंद्रिमा जी भट्टाचार्य, (पूर्व स्वास्थ्य मंत्री) असीन जी बासु, पार्षद शैलेम जी नाजपायी, Miltary Command Hospital के जनरल
2.	उत्तरपाड़ा	3	40	---

प्रांत : आंध्रप्रदेश

1.	बिजयनगरम	---	181	----

प्रांत : राजस्थान

1.	कोटा	---	58	स्थानकवासी समाज श्रीमती सुशीला दुगड़

प्रांत : राजस्थान मेवाड़

1.	जोधपुर	---	77	---
2.	बालोतरा	---	300	---
3.	पाली	---	247	---
4.	पचपदरा	---	185	---
5.	जसोल	---	53	---
6.	बाड़मेर	---	65	---
7.	टापरा	---	20	---

प्रांत : कर्नाटक

1.	राजाजी नगर	8	270	श्रीमती दीपा नागेश, Corporator Mrs. Padmavati, Ex Mayor सावित्री सुरेश कुमार पत्रकार
2.	विजयनगर	---	165	मेवाड़ बीसा ओसवाल महिला मंडल, श्रीमती वीणा बैद (अभातेममं), श्री विमल कटारिया (अभातेयुप अध्यक्ष), दक्षिण भारत समाचार पत्र के संपादक श्री देवेन्द्र जी, श्री महेन्द्र जी मुणोत

प्रांत : बंबरल

1.	पूर्वांचल	---	121	सभाध्यक्ष श्री भूपेन्द्र जी श्यामसुखा, तेयुप अध्यक्ष रतन श्यामसुखा, पार्षद श्रीमती तुलसी सिन्हा राय, उद्योगपति श्री कमल गांधी

प्रांत : हरियाणा

1.	फरीदाबाद	---	85	---
2.	दानवली	---	55	---
3.	भिवानी	---	72	---
4.	सिरसा	---	180	---
5.	तोशाम	---	16	---
6.	उकलाना मंडी	---	60	---
7.	हांसी	---	80	---
8	जिंद	---	25	---
8.	कालावली	---	108	---
9.	टोहाना	---	86	---
10.	पंचकुला	---	10	---

प्रांत : दिल्ली

1.	दिल्ली	3		मारवाड़ी युवा मंच, मिडटाउन ब्रांच, सूर्य शक्ति शाखा, दिगम्बर जैन श्वेताम्बर संघ के पदाधिकारी

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता मई 2018

सन्दर्भ ग्रंथ : तेरापंथ प्रबोध 61 से 70 पद्य अर्थ सहित
तेरापंथ का इतिहास पृष्ठ संख्या 146 से 186 तक
(न्याय के विचित्र प्रकार से गहरे व्यंग्य तक)

अ. शब्द अन्वेषण

प्रश्नों के उत्तर कोष्ठक में छिपे हैं उन्हें खोज कर चिन्हित करें व रिक्त स्थान में भरें :–

सं	च्च	र	नि	न्ह	व	र	घा	णे	न	ट	ली	पी	स	जो	ड़
य	ड़	रा	म	सी	ल	या	इ	रा	व	जा	पा	क्ष	भां	र्सी	गु
म	त	सू	टु	घ	ग	णा	आ	नु	षं	गि	क	पा	गा	ण	अ
रा	ग	व	त्र	ड़ी	र	दे	प्र	कृ	खे	बो	ल	त	म	ध	मां
पो	वि	न	ढ़	णा	वि	वी	श्न	द	ल	ष्ण	ना	र	बे	कु	सा
क्षे	दि	मे	हा	ग	ते	ज	रा	मो	भ	ए	क	स	शी	ल	पे
नि	स	घ	र्दी	रा	र्मी	णा	जी	ओ	ग	प्र	रा	ला	ठ	क	क्ष
जी	म	जी	प्र	त्यु	त्त	र	त्र	प	त	जी	टे	ब	खु	ष	वा
खा	रि	भा	कु	ह	ग	द्धी	ति	म	श	ग	म	ने	दो	ना	द
ना	ण	ट	वि	पी	ग	रू	जी	ह्व	द	य	प	रि	व	र्त	न
न	ग	जी	ना	ख	नी	रा	पां	ना	री	पा	र	सा	गु	ली	ब
ब्ब	त्ना	ध	भ	रा	मं	हा	त्री	जी	नी	व्या	रो	पी	मा	सा	द
र	म	जी	भ	जा	क	द	य	र	ना	बा	दा	र	हं	चा	ल
नी	घ	ड़	अ	नु	क	म्पा	ला	गु	ल	शु	म	जी	व	न	री

1. किसी भी तत्व को अपेक्षा भेद से समझना .....
2. केवली जो बोलते हैं वह ..... बन जाता है।
3. वैष्णव साधु .....
4. वह स्थिती जो मन में कम्पन पैदा करे .....
5. धवियां .....
6. पडुत्तर .....
7. अर्थ का यथार्थ बोध करने के लिए उसमें उपयुक्त शब्द के सम्बन्ध की स्थापना .....
8. पुण्य धर्म का ..... फल है।
9. हर तीसरे दिन आने वाला ज्वर .....
10. धर्म की चौथी कसौटी .....
11. मुनि खेतसीजी की बहन .....

12. साधु का भोजन करना ..... पोषण के लिए होता है।
13. धर्म द्रोही .....
14. मुनि का आचार व्यवहार .....
15. अश्वतर अर्थात खच्चर .....
16. कालवादी साधुओं के अनुयायी .....
17. केलवा के अचक्षु भाई .....
18. न्याय व नीति का प्रतिपक्ष .....
19. जिन ऋषि व जिनपाल को दक्षिण के उद्यान में जाने का निबध ..... ने किया।
20. पद्य रचना अर्थात .....

ब. आध्यात्मिक दान के कितने प्रकार हैं ? समझाकर लिखिए (50 शब्द)।

नोट : उत्तर पुस्तिका पर अपना नाम पता एवं फोन नं. अवश्य लिखें।
उत्तर महिने की 25 तारीख तक श्रीमती रमन पटावरी के पते पर अवश्य पहुँच जाए।
उत्तर फुल साइज पेज पर हाशिया छोड़ते हुए शुद्ध एवं साफ लिखें।
प्रश्न का उत्तर जितना पूछा जाए उतना ही दें।

श्रीमती रमन पटावरी
SILVER SPRING,
JBS 5 HALDEN AVENUE,
BLOCK - 1, 17-C, KOLKATA - 700105
मोबाईल : 9903518222 / 033-40620395
ई-मेल : raman.patawari@gmail.com

अप्रैल माह के प्रश्नों के उत्तर

अ. बायें से दायें :-

1. हेमनवरसो 6. जसराजजी 8. चन्द्रभाणजी 10. रामचन्द्र जी 11. अणदोजी 12. जगत

ऊपर से नीचे :-

1. हेमराजजी 2. रतनोजी 3. शिवरामजी 4. मुनि कचरोजी 5. मुनि भारमल 7. रामनारायण जी 9. अनुशासित

ब. तिथियों का फेर :-

1. वि. स. 1859
2. वि. स. 1853
3. वि. स. 1853 के शेषकाल में
4. वि. स. 1857
5. वि. स. 1857
6. वि. स. 1832
7. वि. स. 1848

स. जोड़ी मिलाइये :-

1. आठ आने
2. कुश
3. आचार्य पद
4. चांदी के रूपये की तरह खरी
5. प्रवेश
6. निश्चयपूर्व
7. अवसर की प्रतिक्षा
8. आधार, आश्रय
9. 2240 किमी.

मार्च माह की प्रश्नोत्तरी के 10 भाग्यशाली विजेताओं के नाम

1. प्रेमलता कोठारी, अहमदाबद
2. सरिता बालड़, बालोतरा
3. ममता बैद, दक्षिण हावड़ा
4. ललित बरमेचा, लुधियाना
5. राजू देवी छाजेड़, सरदारशहर
6. कान्ता देवी सिपानी, देशनोक
7. रजनी चौपड़ा, बालोतरा
8. पुष्पा हिरण, चैन्नई
9. स्वीटी दक, मैसूर
10. मोनिका छाजेड़, लूनकरणसर

सर्वाधिक उत्तर प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई बालोतरा क्षेत्र (135) से, बालोतरा क्षेत्र को बहुत-बहुत बधाई व साधुवाद।

रास्ते की सेवा - भावना

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा 11 नवम्बर से रास्ते की सेवा का उपक्रम सुचारू रूप से चल रहा है। परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी के शुभ आशीर्वाद एवं श्रद्धेया महाश्रमणी साध्वीप्रमुखाश्रीजी की कृपा से कर्म निर्जरा के इस उपक्रम से हमें जुड़ने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। शाखा मंडलों की सक्रियता एवं जागरूकता से चेन्नई तक सेवा करने वाली बहनों के नाम आ चुके है। सभी शाखामंडल पूर्णतया निष्ठा एवं समर्पण भाव से सेवा के इस उपक्रम से जुड़ रहे हैं। अतः आप सभी शाखा मंडलों की बहनों से विनम्र अनुरोध है कि सेवा के इस महायज्ञ में जुड़े और गुरु सन्निधि का लाभ उठावें।

सेवा के क्रम में केसिंगा से श्रीमती निमिता जैन, श्रीमती जानकी जैन, श्रीमती रामकली जैन, श्रीमती बिमला जैन एवं श्रीमती शोभा जैन ने सेवा दी। भवानी पटना से श्रीमती लक्ष्मी जैन, श्रीमती ललिता जैन, श्रीमती नमिता जैन, श्रीमती जानकी जैन श्रीमती सुभद्रा जैन, श्रीमती श्रीमाला जैन, श्रीमती लता जैन व श्रीमती कोशिला जैन ने सेवा दी। केसिंगा से श्रीमती नविता जैन, श्रीमती मीना जैन, श्रीमती संतोष जैन, श्रीमती सरोज जैन, श्रीमती विद्या जैन, श्रीमती मूर्ति जैन तथा श्रीमती सुनीता जैन ने सेवा दी। आगे के क्रम में पुनः केसिंगा से श्रीमती संतोष जैन, श्रीमती देविका जैन, श्रीमती सुमन तातेड़, श्रीमती सुमिता चौपड़ा, श्रीमती विमला सालेचा एवं श्रीमती लक्ष्मी लूंकड़ ने सेवा दी। हुबली से श्रीमती प्रेमा बैदमूथा, श्रीमती बाबूदेवी जैन, श्रीमती मंजू बैदमुथा, श्रीमती अचला पालगोता, श्रीमती तारा बोहरा व श्रीमती ललिता पालगोता ने सेवा दी। आगे के क्रम में कोप्पल से श्रीमती मंजू बागरेचा, श्रीमती पुष्पा चौपड़ा, श्रीमती कमला पालगोता, श्रीमती अमृत सेठिया, श्रीमती संगीता जीरावाला तथा श्रीमती मानकंवर चौपड़ा ने अपनी सेवाएं दी।

समय-समय पर राष्ट्रीय कार्यसमिति सदस्य श्रीमती ममता जैन तथा श्रीमती लीना दुगड़ की सेवा मिलती रही है। श्रीमती किरणदेवी आंचलिया की विशेष भूमिका रहती है।

सभी बहिनों के प्रति अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की ओर से हार्दिक साधुवाद।

नाम देने हेतु निम्न बहनों से सम्पर्क करें :

निर्देशिका
श्रीमती शोभा दुगड़
+91 98313 00006

संयोजिका
श्रीमती कांता तातेड़
+91 98206 48887

श्रीमती लीना दुगड़
+91 98307 58882

नोट : शाखा मंडल ध्यान दें सेवा में सिर्फ बुजुर्ग बहनों को नहीं भेजे। साथ में कम से कम दो युवती बहनों को अवश्य भेजें।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

1,00,000	श्रीमती गुलाब देवी धर्मपत्नी श्री पदमचन्दजी पटावरी मोमासर-राजसमन्द द्वारा अपने 72 वें जन्म दिवस के उपलक्ष में ''भावना'' सेवा हेतु सप्रेम भेंट
1,00,000	अहमदाबाद महिला मंडल द्वारा ''भावना'' चौके की सेवा हेतु
31,000	भीलवाड़ा महिला मंडल द्वारा ''भावना'' चौके की सेवा हेतु
31,000	कांटाबांजी महिला मंडल द्वारा ''भावना'' चौके की सेवा हेतु
21,000	श्रीमती स्मिता जैन (कांटाबांजी-ओडिशा) द्वारा देवरानी के पुत्र जन्म के उपलक्ष में ''भावना'' सेवा हेतु
11,000	श्रीमती ममता जैन (कांटाबांजी-ओडिशा) द्वारा विवाह की रजत जयंती के उपलक्ष में ''भावना'' सेवा हेतु
11,000	सिवाकासी महिला मंडल द्वारा ''भावना'' सेवा हेतु
11,000	चासबोकारो महिला मंडल द्वारा ''भावना'' सेवा हेतु

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

महामंत्री कार्यालय : श्रीमती नीलम सेठिया - 28/1, शिवाया नगर, 4th Cross, रेड्डीयुर, सेलम-636004, तमिलनाडु
मो. : 099524 26060 ईमेल neelamsethia@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती सरिता डागा - 45, जेम एनक्लेव, प्रधान मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर - 302 017
मो. : 094133 39841 ईमेल sarita.daga21@gmail.com

नारीलोक हेतु सम्पर्क करें : श्रीमती सौभाग बैद मो. : 080031 31111 श्रीमती भाग्यश्री कच्छारा मो. : 096199 27369
नारीलोक देखें website : www.abtmm.org

देशभर में सफल रहा

तपोमहायज्ञ आयम्बिल अनुष्ठान

कर्म निर्जरा के उपक्रम से अभातेममं ने बनाया विश्व कीर्तिमान

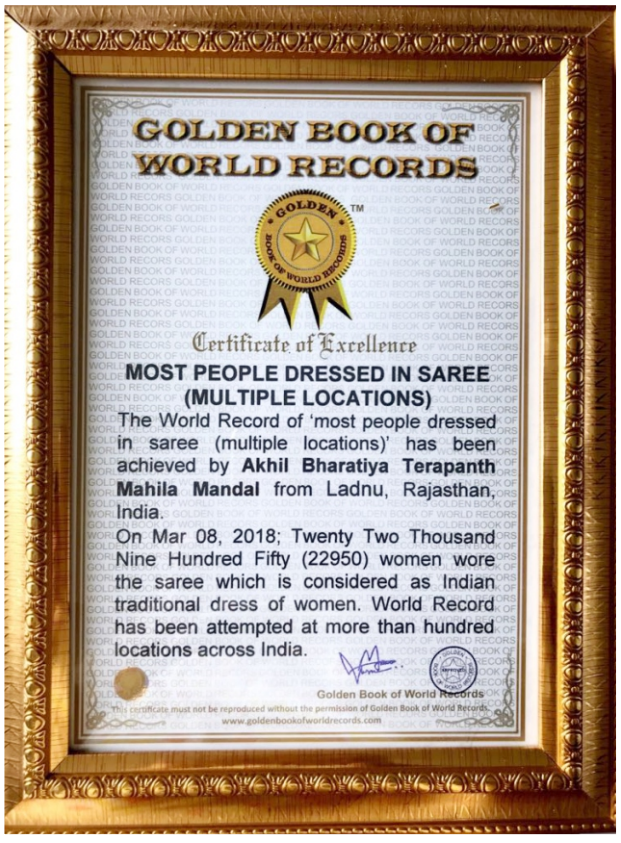

GOLDEN BOOK OF WORLD RECORDS

Certificate of Excellence

MOST PEOPLE DRESSED IN SAREE (MULTIPLE LOCATIONS)

The World Record of 'most people dressed in saree (multiple locations)' has been achieved by **Akhil Bharatiya Terapanth Mahila Mandal** from Ladnu, Rajasthan, India.

On Mar 08, 2018; Twenty Two Thousand Nine Hundred Fifty (22950) women wore the saree which is considered as Indian traditional dress of women. World Record has been attempted at more than hundred locations across India.

Golden Book of World Records

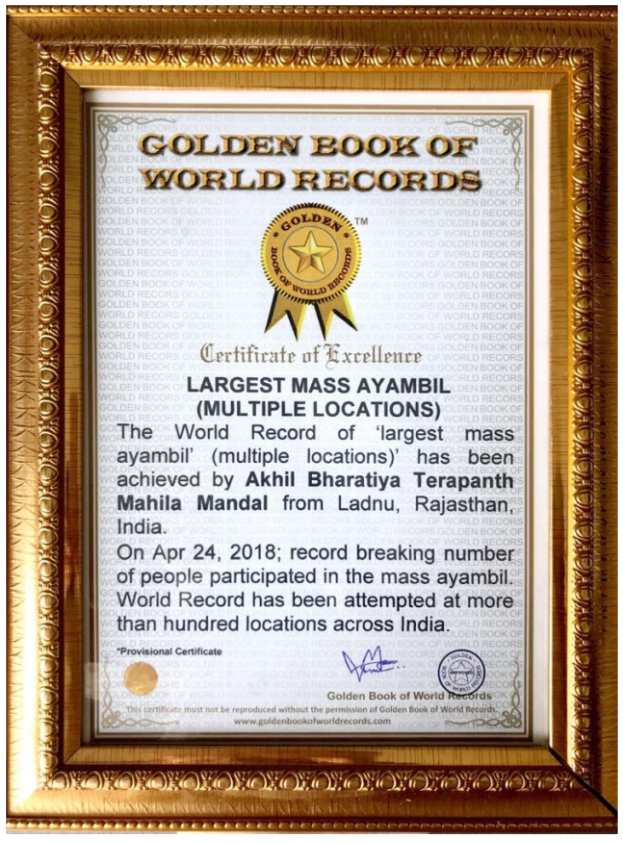

GOLDEN BOOK OF WORLD RECORDS

Certificate of Excellence

LARGEST MASS AYAMBIL (MULTIPLE LOCATIONS)

The World Record of 'largest mass ayambil' (multiple locations)' has been achieved by **Akhil Bharatiya Terapanth Mahila Mandal** from Ladnu, Rajasthan, India.

On Apr 24, 2018; record breaking number of people participated in the mass ayambil. World Record has been attempted at more than hundred locations across India.

*Provisional Certificate

Golden Book of World Records